



वार्षिक प्रशासकीय

प्रतिवेदन

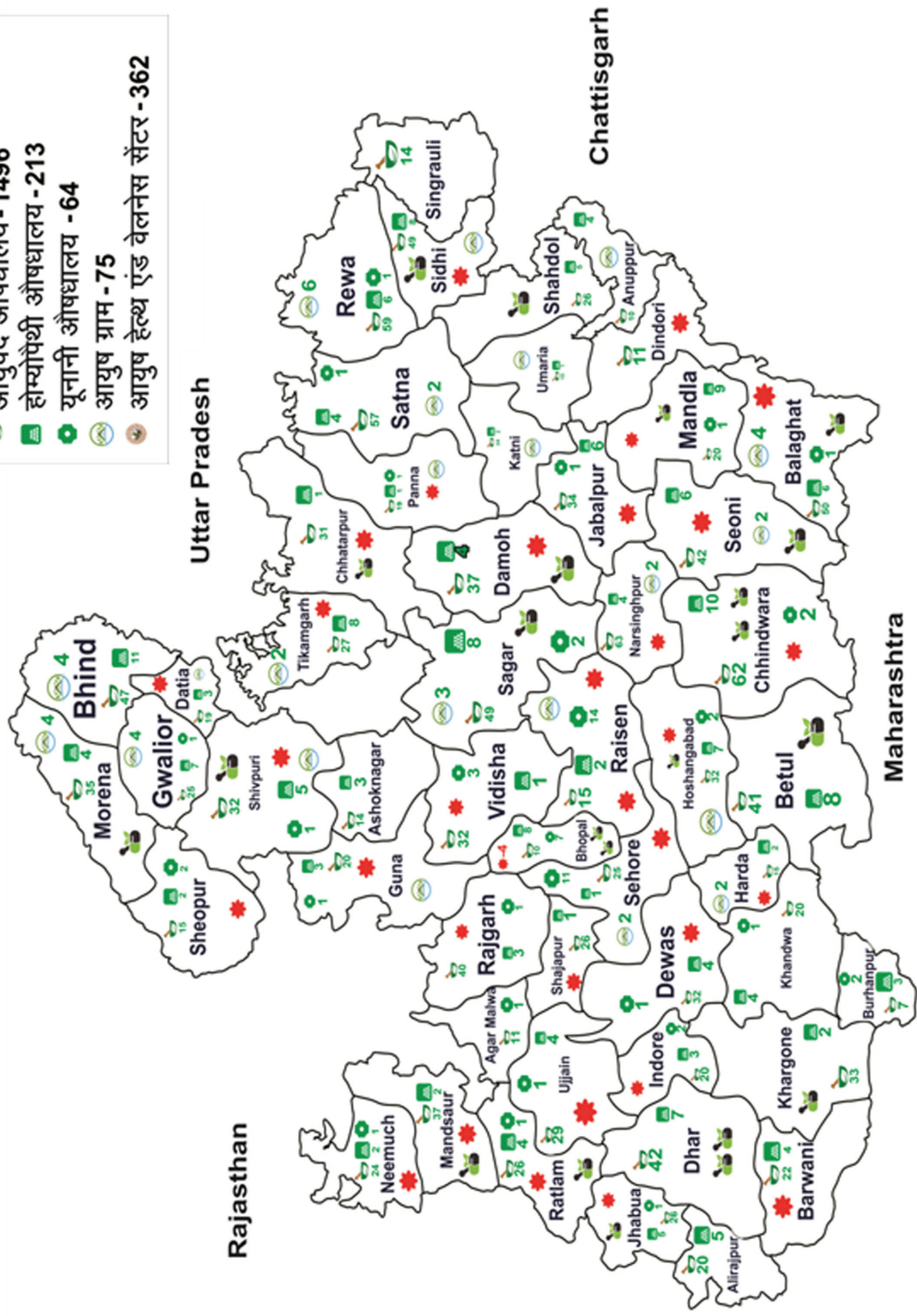
वर्ष 2021-2022



आयुष विभाग

आयुष चिकित्सा संस्थाने

- जिला स्तरीय आयुष चिकित्सालय -23
- आयुष विंग -36
- आयुर्वेद औषधालय -1496
- होम्योपैथी औषधालय -213
- यूनानी औषधालय -64
- आयुष ग्राम -75
- आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर -362





मध्यप्रदेश शासन

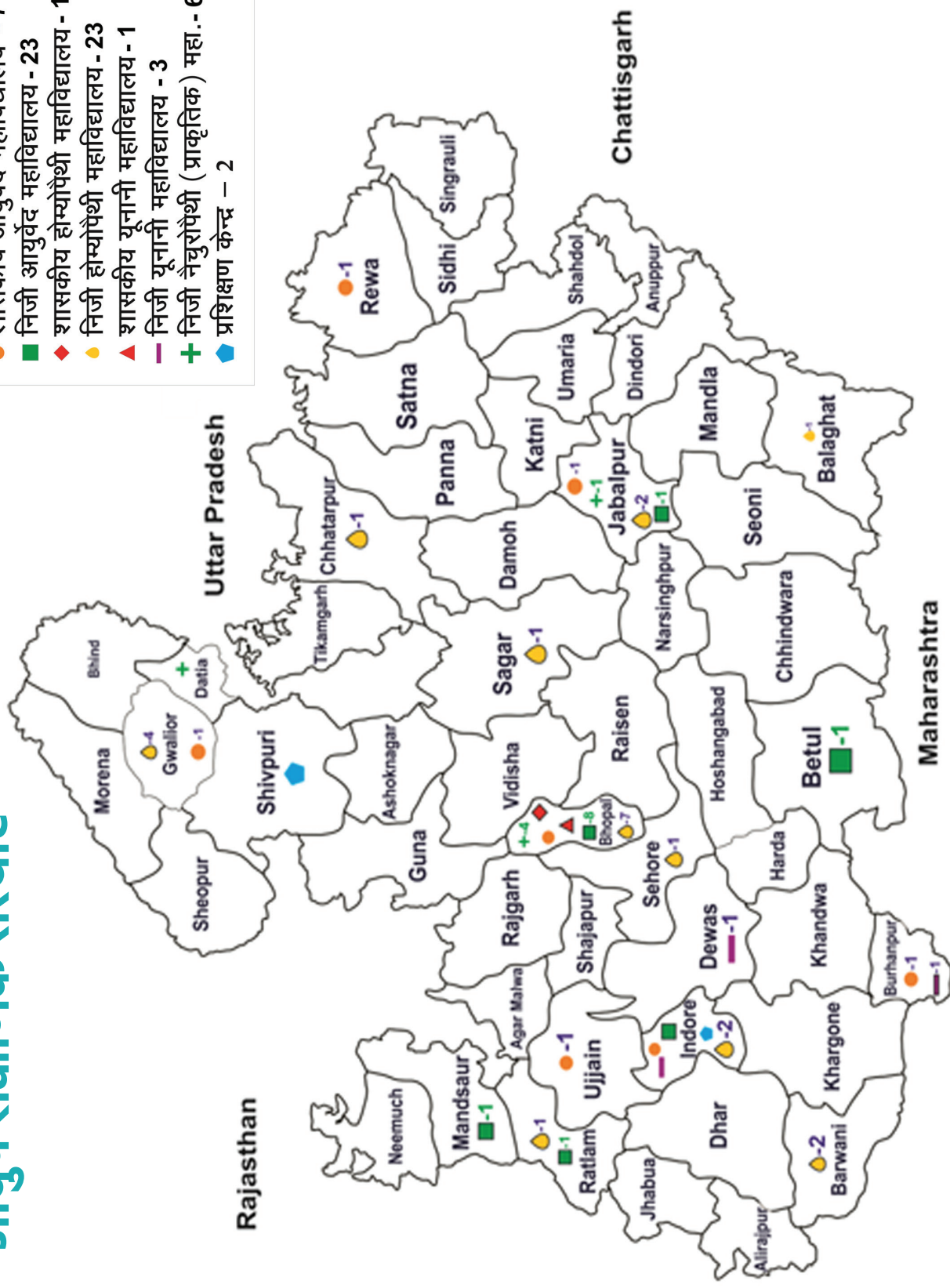


आयुष विभाग

वार्षिक प्रशासकीय प्रतिवेदन
2021-2022

आयुष शैक्षणिक संस्थाएं

- शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय - 7
- निजी आयुर्वेद महाविद्यालय - 23
- ◆ शासकीय होम्योपैथी महाविद्यालय - 1
- निजी होम्योपैथी महाविद्यालय - 23
- ▲ शासकीय यूनानी महाविद्यालय - 1
- निजी यूनानी महाविद्यालय - 3
- + निजी नैचुरोपैथी (प्राकृतिक) महा. - 6
- ◆ प्रशिक्षण केन्द्र - 2





मध्यप्रदेश शासन



आयुष विभाग

प्रभारी मंत्री
श्री रामकिशोर (नानो) कांवरे

मंत्रालय
करलिन खोंगवार देशमुख
प्रमुख सचिव

पंकज शर्मा
उप सचिव

डॉ. नागार्जुन बी.गौडा
अवर सचिव

विभागाध्यक्ष
करलिन खोंगवार देशमुख
आयुक्त आयुष



::प्रस्तावना::

स्वास्थ्य सर्वश्रेष्ठ धन है। इस धरती पर जीवन की उत्पत्ति से लेकर वर्तमान समय तक उपलब्ध इतिहास में सर्वाधिक एवं उच्च स्थान यदि किसी विषय को मिला है तो वह स्वास्थ्य है। प्राचीन काल से मानव ने जीवन आधारित जो भी उपाय किये हैं वे संपूर्ण स्वास्थ्य की रक्षा तथा रोगों के उपचार की ओर केंद्रित हैं। संपूर्ण विश्व में केवल भारतवर्ष ही एकमात्र ऐसा देश है जिसने आदिकाल से मानव स्वास्थ्य की परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां रही हैं उनको संजोकर रखा हुआ है। भारत सरकार ने पृथक से एक मंत्रालय इस कार्य हेतु निर्धारित किया है जिसे हम 'आयुष मंत्रालय' के नाम से जानते हैं।

आयुष विभाग अंतर्गत परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा, योगा, नेचुरोपैथी, होम्योपैथी तथा सोवा रिगपा शामिल हैं। वस्तुतः ये चिकित्सा पद्धतियां नहीं, अपितु जीवन को जीने की ऐसी चिकित्सा प्रणाली हैं जो अनंतकाल से मानव स्वास्थ्य का संवर्धन कर रही हैं। इन चिकित्सा पद्धतियों का एकमात्र ध्येय संसार के समस्त मानव स्वास्थ्य का पूर्ण रूप से उच्चतम स्तर तक उत्थान करना है।

आयुष चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से जनमानस को स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया जा रहा है प्राकृतिक आपदा कोविड-19 के समय में आयुष विभाग द्वारा आमजन में कोविड के प्रति जागरूकता एवं काढ़ा वितरण कर जहां एक ओर लोगों की रोगप्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि की, वहीं दूसरी ओर आरोग्य कषायम, आयुष-64, आर्सेनिक एलबम, अर्क अजीब व खमीरा मरवारीद, जोशांदा, शर्बते उन्नाब जैसी आयुष औषधियों के द्वारा कोविड-19 के हल्के लक्षण वाले रोगियों का उपचार भी किया गया है। इस महामारी के समय में आयुष विभाग ने चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर महामारी के विरुद्ध जारी लड़ाई में अपना विशेष एवं संपूर्ण योगदान दिया है और वर्तमान में भी अपनी सेवायें दे रहा है।

आयुष विभाग की चिकित्सा सुविधाओं— पंचकर्म, इलाज बित् तदबीर विशिष्टताओं का कोई विकल्प नहीं है। इलाज के इन विशेष तरीकों के द्वारा आयुष विभाग जनमानस को ऐसे रोगों मुख्यतः पुरानी बीमारियों के इलाज में विशेष भूमिका निभा रहा है जिनमें आधुनिक चिकित्सा पद्धति उतनी कारगर साबित नहीं होती है।

इसके अतिरिक्त आयुष विभाग भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में संचालित समस्त योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रभावी रूप से अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। आयुष विभाग आमजन के स्वास्थ्य हेतु सदैव तत्पर एवं निरंतर कार्यरत है।

आयुष विभाग, मध्य प्रदेश जहां एक ओर आयुष चिकित्सा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान प्रदान कर रहा है वहीं दूसरी ओर आमजन के स्वास्थ्य संवर्धन हेतु निरंतर प्रयासरत है एवं योजनाबद्ध तरीके से नई नीति एवं पहल अपनाकर अभूतपूर्व कार्य कर रहा है। आयुष विभाग शिक्षा के क्षेत्र में भी निरंतर शोध कार्य कर आधुनिक आयाम को अपनाये हुए हैं। योग से निरोग, आयुष आपके द्वार, वैद्य आपके द्वार, आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत किशोर एवं बाल विकास हेतु **“पोषण हेतु आयुर्वेद”** जैसी थीम पर कार्यक्रम आयोजित कर स्वास्थ्य क्षेत्र में अकल्पनीय कार्य कर रहा है।

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ क्रं.
भाग—1	
1. सामान्य परिचय	1
1.1 'आयुष' शब्द का अर्थ	3
1.2 आयुष चिकित्सा पद्धतियों का परिचय	3
1.3 आयुष विभाग का परिचय	5
1.4 राष्ट्रीय आयुष मिशन	5
भाग—2	
2. दायित्व, उपलब्धियां एवं गतिविधियां	7
2.1 विभाग के उद्देश्य	9
2.2 विभागीय ध्येय	9
2.3 विभागीय दायित्व	9
2.4 विभागीय उपलब्धियां	10
2.5 विभागीय गतिविधियां एवं योजनाएँ	13
2.5.1 केंद्र प्रवर्तित योजनाएँ	13
2.5.2 राज्य स्तरीय योजनाएँ एवं कार्यक्रम	14
2.6 विभागीय मानक सेवाएँ	18
भाग—3	
3. विभागीय संरचना एवं सांख्यिकी	21
3.1 विभागीय संरचना	23
3.2 महत्वपूर्ण सांख्यिकी एवं विभागीय अधोसंरचनाएँ	24
भाग—4	
4. आयुष शिक्षा	29
4.1 प्रदेश के शासकीय एवं निजी आयुष महाविद्यालयों के नाम एवं सत्र 2021–22 में महाविद्यालयवार सीट संख्या	31
4.2 शासकीय स्वशासीय आयुष महाविद्यालयों में संचालित पैरामेडिकल पाठ्यक्रम	35
4.3 सत्र 2020–2021 में प्रवेशित विधावार छात्र संख्या	37
4.4 शासकीय आयुष महाविद्यालयों की फीस संरचना	39
4.5 आयुष महाविद्यालयों में प्रचलित छात्रवृत्ति योजनाएँ	40
4.6 संस्थावार मानव संसाधन (स्वीकृत, भरे एवं रिक्त पद)	43

भाग—5	
5. आयुष स्वास्थ्य सेवाएँ	45
5.1 आयुष चिकित्सालय	47
5.2 आयुष विंग	47
5.3 आयुष औषधालय	49
5.4 आयुष हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर	54
5.5 आयुष प्रशिक्षण केंद्र	55
5.6 विभागीय क्षेत्रीय कार्यालय	55
भाग—6	
6. विभागीय विशिष्ट योजनाएं एवं कार्यक्रम	57
6.1 वैद्य आपके द्वार (आयुष टेलीमेडीसिन)	59
6.2 केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद इकाई	59
6.3 आयुष आपके द्वार	59
6.4 योग से निरोग कार्यक्रम	59
6.5 राज्य औषधीय पादप बोर्ड	65
6.6 देवारण्य योजना	67
6.7 आयुष ग्राम योजना	69
6.8 आत्म निर्भर मध्य प्रदेश में आयुष का योगदान	69
भाग—7	
7. पंजीयन बोर्ड एवं परिषद	75
7.1 मध्य प्रदेश आयुर्वेद एवं यूनानी चिकित्सा पद्धति एवं प्राकृतिक चिकित्सा बोर्ड	77
7.2 मध्य प्रदेश राज्य होम्योपैथी परिषद	77
भाग—8	
8. आयुष औषधि निर्माण एवं गुणवत्ता परीक्षण	79
8.1 शासकीय आयुर्वेद फार्मसी, ग्वालियर	83
8.2 शासकीय यूनानी फार्मसी, भोपाल	83
8.3 ड्रग टेस्टिंग लेबोरेटरी, ग्वालियर	83
भाग—9	
9. एन.आर.एच.एम. में आयुष की भूमिका	85
9.1 संविदा आयुष चिकित्सक/आयुष फार्मासिस्ट	87
भाग—10	
10. बजट प्रावधान एवं व्यय की जानकारी	91

भाग-1 सामान्य परिचय





1.1 'आयुष' शब्द का अर्थ

पारंपरिक और गैर-एलोपैथिक स्वास्थ्य परिचर्चा और उपचार पद्धतियां जिनमें आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी इत्यादि शामिल हैं।

1.2 आयुष चिकित्सा पद्धतियों का परिचय

आयुर्वेदः—

आयुर्वेद भारतीय उपमहाद्वीप की एक प्राचीन चिकित्सा प्रणाली है जिसका उद्गम भारत वर्ष में लगभग 5000 साल पहले हुआ है। शब्द आयुर्वेद दो संस्कृत शब्दों 'आयु' जिसका अर्थ जीवन है तथा 'वेद' जिसका अर्थ 'विज्ञान' है, से मिलकर बना है। अतः इसका शाब्दिक अर्थ है 'जीवन का विज्ञान'। अन्य औषधीय प्रणालियों के विपरीत, आयुर्वेद रोगों के उपचार के बजाय स्वस्थ जीवनशैली पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है। आयुर्वेद के अनुसार जीव शरीर पांच महाभूत एवं तीन दोषों से निर्मित है। आयुर्वेद में शरीर की इन बुनियादी बातों का अत्यधिक महत्व है। इन्हें मूल सिद्धांत या आयुर्वेदिक उपचार के बुनियादी सिद्धांत कहा जाता है। जिनमें पंचमहाभूत—पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश, त्रिदोष—वात, पित्त और कफ, सात धातु—रस, रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मज्जा तथा शुक्र तथा मल—मल, मूत्र और स्वेद शामिल हैं।

स्वस्थ या रोगी शरीर में स्थित पंचमहाभूत, धातु एवं मल में परस्पर संतुलन के साथ स्वयं के संतुलित या असंतुलित अवस्था होने या न होने पर निर्भर करता है। आंतरिक और बाह्य कारक दोनों प्राकृतिक संतुलन न होने से रोग को जन्म दे सकते हैं। संतुलन की यह हानि अविवेकी आहार, अवांछनीय आदतों और स्वस्थ रहने के नियमों का पालन न करने से हो सकती है। मौसम की असमानता, अनुचित व्यायाम या इंद्रियों के अनुप्रयोग तथा शरीर और मन की असंगत कार्यप्रणाली के परिणामस्वरूप भी स्वास्थ्य में असंतुलन पैदा हो सकता है। उपचार में मुख्य रूप से आहार विनियमन, जीवन की दिनचर्या और व्यवहार में सुधार, दवाओं का प्रयोग तथा पंचकर्म और रसायन चिकित्सा अपनाकर शरीर-मन का संतुलन बहाल करना।

यूनानीः—

यूनानी चिकित्सा पद्धति स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विज्ञान की एक ऐसी प्राचीन चिकित्सा पद्धति है जिसकी उदध्व उपलब्धता के प्रमाण मेसोपोटामिया सभ्यता से मिलते हैं। लगभग 2500 साल पहले ग्रीस (यूनान) में इसकी नींव हिप्पोक्रेट्स (बुकरात) द्वारा रखी गई। यह विधा यूनान से रोम, मिस्र, होते हुए अरब एवं ईरान पहुंची जहाँ इस विधा में अत्यधिक प्रचार, प्रसार एवं विस्तार हुआ। रोमन में जालीनूस (गेलन), हेरोफिलूस तथा अरबों में राजी, इब्ने सीना तथा अबुलकासिम जोहरावी जैसे बड़े विद्वान हुए हैं जिन्होंने यूनानी तिब में विशेष योगदान दिया है और उचाईयों पर पहुंचाया है।

यूनानी विधा के मूल सिद्धांतों में उमूरे तबिया अर्थात् अरकान, मिजाज, अख्लात, आज़ा, अरवाह, कुवा व अफ़ाल हैं। इसके अतिरिक्त ब्रह्मांड की समस्त वस्तुएँ चार अरकान—हवा, पानी मिट्टी एवं आग से मिलकर बनने का उल्लेख है। स्वस्थ रहने के लिए मानव शरीर में चार अख्लात—दम, बलगम, सफरा तथा सौदा का समान रूप में पाया जाना स्वास्थ्य की निशानी है तथा इनका असंतुलन रोगों का कारण उल्लेखित है।

उपचार के तरीकों में इलाज बित तदबीर (रेजीमिनल थैरेपी), इलाज बिल गिज़ा (डाइटोथैरेपी), इलाज बिल दवा (ड्रग थैरेपी) तथा इलाज बिल यद (सर्जरी) शामिल हैं जिनके द्वारा रोगियों का उपचार किया जाता है।

होम्योपैथी:—

होम्योपैथी शब्द दो शब्दों होमियोस और पैथोस से मिलकर बना है। होमियोस का अर्थ है 'समान' और पैथोस का अर्थ है 'दुख'। दूसरे शब्दों में, होम्योपैथी रोगों के इलाज की एक ऐसी प्रणाली है जो दो वैकल्पिक सिद्धांतों पर आधारित है:

1. **“जैसे इलाज की तरह”** —यह चिकित्सा का प्राकृतिक नियम है जो कहता है कि स्वस्थ व्यक्ति में किसी बीमारी के लक्षण पैदा करने वाला पदार्थ एक बीमार व्यक्ति में इसी तरह के लक्षणों को ठीक करेगा। इस सिद्धांत को 'सिमिलिया सिमिलिबस क्यूरेटुर' के रूप में भी जाना जाता है। यह सिद्धांत वर्ष 1796 में सैमुअल हैनीमैन द्वारा दिया गया था।
2. **“न्यूनतम खुराक”** — होम्योपैथिक उत्पादों को अधिकतर इस हद तक सूक्ष्म किया जाता है कि यह मूल पदार्थ के अणुओं की उपस्थिति को समाप्त कर देता है। यह माना जाता है कि दवा की कम खुराक के परिणामस्वरूप अधिक प्रभाव पड़ता है।

होम्योपैथिक उत्पाद जड़ी-बूटियों जैसे कुचला, सफेद खनिजों जैसे आर्सेनिक तथा जानवरों जैसे मधुमक्खियों से बनाए जाते हैं। ये होम्योपैथिक उत्पाद चीनी के दानों, मलहम, गोलियों, जैल, क्रीम और बूंदों के रूप में तैयार किये जाते हैं। उपचार प्रत्येक व्यक्ति की आवश्यकता के अनुसार दिया जाता है। इसका अर्थ है कि विभिन्न बीमारियों वाले लोग जिनके पास समान स्थितियां हैं वे विभिन्न उपचार प्राप्त कर सकते हैं।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा:—

योग एक अनुशासन है जो हजारों साल पहले से है और इसे आंतरिक आत्म शांति को प्राप्त करने के लिए जाना जाता है। अभ्यास का उद्देश्य संतुलित तरीके से किसी व्यक्ति की अंतर्निहित शक्ति में सुधार करके आत्मशक्ति प्राप्त करना है। यह अनुशासन संतों और ऋषियों द्वारा स्थापित किया गया था, जिन्होंने अपने अनुभवों की तर्कसंगत व्याख्या प्रस्तुत की और सभी की पहुंच के भीतर उपलब्ध होने के लिए एक व्यावहारिक और वैज्ञानिक रूप से पद्धति तैयार की। हम ऐसे युग में पहुँच गए हैं जहाँ योग केवल अपने संस्थापकों तक ही सीमित नहीं है। इसने दुनिया भर में अपनी पहुंच बढ़ा दी है और अपनी एक पहचान बनाई है। इस अनुशासन के पीछे की तकनीकों और विज्ञान को आधुनिक जीवन शैली और व्यक्तियों की सामाजिक आवश्यकताओं के साथ संरक्षित करने के लिए संशोधित किया गया है। योग का सबसे पहला उल्लेख ऋग्वेद में है, जो सबसे पुराने पवित्र ग्रंथों में से एक है। यह आध्यात्मिक अनुशासन एक सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित है जिसका उद्देश्य शरीर और मन के बीच सामंजस्य स्थापित करना है।

योग के पितामह महर्षि पतंजलि ने योग के कई पहलुओं को जोड़ा और उन्हें “योग सूत्र” कहा। “अष्टांग योग” के घटक हैं यम, नियम, प्रत्याहार, धारणा, आसन, प्राणायाम, ध्यान और समाधि हैं जो शारीरिक अनुशासन लाते हैं, श्वास के नियमन में मदद करते हैं, इंद्रिय अंगों को संयमित करते हैं और चिंतन और मनन को बढ़ावा देते हैं। ये तकनीक साइकोसोमैटिक विकारों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देती हैं।

प्राकृतिक चिकित्सा सबसे प्राचीन स्वास्थ्य तंत्र है जो चिकित्सा के पारंपरिक और प्राकृतिक रूपों के साथ आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान का समावेश करता है। प्रकृति की उपचार शक्ति पर भरोसा करते हुए, प्राकृतिक चिकित्सा मानव शरीर की स्वयं को ठीक करने की क्षमता को उत्तेजित करता है। यह डायटेटिक्स, वनस्पति चिकित्सा, उपवास, व्यायाम, जीवनशैली परामर्श, विषहरण, और नैदानिक पोषण, जल चिकित्सा, आध्यात्मिक सहित प्राकृतिक उपचारों का उपयोग करके रोग निदान, उपचार और इलाज का विज्ञान है।

सिद्धा:-

सिद्धा तमिलनाडु में विकसित होने वाली सबसे प्राचीन औषधीय प्रणालियों में से एक है। 'सिद्धा' एक तमिल शब्द 'सिद्धि' से लिया गया है जिसका अर्थ है 'उपलब्धि' या 'पूर्णता'। सिद्धा औषधीय प्रणाली न केवल बीमारी के इलाज पर ध्यान केंद्रित करती है, बल्कि यह रोगी के व्यवहार, पर्यावरणीय पहलुओं, उम्र, आदतों और शारीरिक स्थिति को भी ध्यान में रखती है। दुनिया के तमिल भाषी हिस्सों में इस प्रथा का प्रमुख रूप से उपयोग किया जाता है और इसे अठारह सिद्धों (संतों ने सिद्ध प्रणालियों का अभ्यास करने वाले लोगों) द्वारा बढ़ावा दिया है।

सोवा-रिग्पा:-

सोवा-रिग्पा दवा की एक प्रणाली है जो दुनिया भर में सबसे पुरानी चिकित्सा परंपराओं में से एक है। सोवा-रिग्पा शब्द का अर्थ है 'हीलिंग ऑफ नॉलेज' है। यह प्रणाली ट्रांस-हिमालयी क्षेत्र जैसे लद्दाख, हिमाचल प्रदेश (स्पीति और लाहौल), जम्मू कश्मीर, पश्चिम बंगाल, दार्जिलिंग, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में प्रचलित है। सोवा-रिग्पा को भारत सरकार द्वारा एक पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के रूप में मान्यता और बढ़ावा दिया गया है। बौद्ध धर्म के प्रसार की तरह, सोवा-रिग्पा ने भी दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अपना प्रभाव स्थापित किया है।

सोवा-रिग्पा का मूल सिद्धांत निम्नलिखित है

- (1) इलाज के लिए शरीर और मन का विशेष महत्व है
- (2) एन्टीडॉट, अर्थात इलाज
- (3) इलाज की पद्धति
- (4) बीमारी को ठीक करने वाली दवाईयां
- (5) फार्माकॉलॉजी।

1.3 आयुष विभाग का परिचय

मध्यप्रदेश में आयुष पद्धतियों के माध्यम से स्वास्थ्य उन्नयन, रोगों की रोकथाम, उपचार चिकित्सा सेवा तथा आयुष चिकित्सा महाविद्यालयों के माध्यम से योग्य आयुष चिकित्सकों के निर्माण, शिक्षण एवं प्रशिक्षण के साथ इन पद्धतियों के विकास एवं उन्नयन हेतु वर्ष 1977-78 में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रशासकीय नियंत्रण में भारतीय देशी चिकित्सा पद्धति की स्थापना की गई तथा वर्ष 1995 में इसे चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रशासकीय नियंत्रण में लाया गया, तत्पश्चात 09 सितम्बर 2008 को पृथक आयुष विभाग का गठन किया गया।

1.4 राष्ट्रीय आयुष मिशन(एन.ए.एम.):

भारत सरकार की योजना अंतर्गत आयुष मिशन की स्थापना की गई है इसका उद्देश्य आयुष चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना, आयुष शैक्षणिक संस्थानों, राज्य सरकार की आयुर्वेदिक, सिद्धा, युनानी एवं होम्योपैथी (ए.एस.यू. एवं एच) भेषजियों, औषध परीक्षण प्रयोगशालाओं और ए.एस.यू. एवं एच.प्रवर्तन तंत्र के उन्नयन के माध्यम से राज्य स्तर पर संस्थागत क्षमता सुदृढ़ करना है। इसके साथ उत्तम कृषि पद्धतियों (जी.ए.पी) को अपनाकर औषधीय पादपों की कृषि में सहायता प्रदान करना ताकि गुणवत्तायुक्त कच्ची सामग्री की सतत आपूर्ति सहित गुणवत्तायुक्त मानकों, उत्तम कृषि/संग्रहण/भंडारण पद्धतियों के लिये प्रमाणन तंत्र का समर्थन करना है। इसके अतिरिक्त औषधीय कृषि उत्पाद भंडारण, मूल्य संवर्धन और विपणन के अभिसरण द्वारा समूहों की स्थापना में सहायता और उद्यमियों के लिये अधोसंरचना का विकास करना भी मिशन के उद्देश्यों में शामिल है।



भाग-2

दायित्व, उपलब्धियां एवं गतिविधियां





2.1 विभाग के उद्देश्य

1. भारत सरकार आयुष मंत्रालय/ भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (National Commission of Indian Medicine) तथा राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (National Commission of Homoeopathy) के मापदण्डों का पालन करते हुए आयुष पद्धतियों की उच्च गुणवत्तायुक्त चिकित्सीय शिक्षा के माध्यम से आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग पद्धति के योग्य चिकित्सकों का निर्माण करना।
2. अनुसंधानात्मक, शोधात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देना।
3. आयुष के पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों की शिक्षा एवं प्रशिक्षण देना।
4. आयुष महाविद्यालयों से सम्बद्ध चिकित्सालयों के माध्यम से विशेषज्ञ स्तरीय चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करना।
5. चिकित्सालयों, आयुष विंग तथा औषधालयों के माध्यम से नागरिकों को आयुष चिकित्सा सेवाएँ व स्वास्थ्य परामर्श उपलब्ध कराना।
6. विभागीय संस्थाओं के माध्यम से नागरिकों को आयुष चिकित्सीय सेवाएँ प्रदान करना।
7. हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर्स के माध्यम से नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने हेतु योग एवं नियमित दिनचर्या अपनाने के लिए प्रेरित करना।
8. औषधि निर्माण अनुज्ञा (लाइसेंस) प्रदान करना।
9. प्रदेश में निर्मित व विक्रय की जाने वाली आयुर्वेदिक, यूनानी एवं होम्योपैथिक औषधियों का गुणवत्ता नियंत्रण। ड्रग टेस्टिंग लैब का संचालन।
10. वनस्पति एवं वनौषधियों के संरक्षण, संवर्धन से संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करना।
11. म.प्र. आयुर्वेद यूनानी एवं प्राकृतिक चिकित्सा बोर्ड तथा राज्य होम्योपैथी परिषद् द्वारा चिकित्सा व्यवसायियों का पंजीयन एवं अधिकारों का संरक्षण।

2.2 विभागीय ध्येय :-

1. नागरिकों को आयुष स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना।
2. उच्च स्तरीय योग्य चिकित्सक तैयार करना।
3. अनुसंधानात्मक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराना।
4. गुणवत्ता युक्त औषधियाँ की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
5. विभागीय गतिविधियों को विधिक प्रावधानों, नियमों के तहत संचालित करना।

2.3 विभागीय दायित्व :-

1. आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी तथा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से चिकित्सा सुविधा प्रदान करना।
2. इन चिकित्सा पद्धतियों के स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता युक्त शिक्षा देकर योग्य चिकित्सक तैयार करना।

3. प्रदेश में आयुष शिक्षा, अनुसंधान, चिकित्सा आदि क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास, उन्नयन एवं नियंत्रण।
4. शासकीय (स्वशासी) तथा निजी क्षेत्र के आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी एवं प्राकृतिक चिकित्सा तथा योग महाविद्यालयों में प्रवेश संबंधी कार्यवाही।
5. निजी क्षेत्रों में आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी एवं प्राकृतिक चिकित्सा तथा योग प्रशिक्षण हेतु महाविद्यालय खोलने तथा मान्यता प्रदान करने के संबंध कार्यवाही करना।
6. शासकीय आयुर्वेद एवं यूनानी एवं निजी क्षेत्र की फार्मसी में गुणवत्तायुक्त औषधियों का निर्माण।
7. प्रदेश में निर्मित एवं विक्रय की जाने वाली आयुर्वेदिक, यूनानी एवं होम्योपैथी औषधियों की गुणवत्ता नियंत्रण।
8. शासकीय आयुष संस्थाओं से चिकित्सा सुविधा प्राप्त कर रहे नागरिकों को निःशुल्क औषधि वितरण।
9. मध्यप्रदेश आयुर्वेद यूनानी एवं प्राकृतिक चिकित्सा बोर्ड तथा राज्य होम्योपैथी परिषद द्वारा चिकित्सा व्यवसायियों का पंजीयन एवं अधिकारों का संरक्षण।
10. वनस्पति एवं वनौषधियों के संरक्षण, संवर्धन आदि हेतु संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करना।
11. संभागीय आयुष अधिकारी, जिला आयुष अधिकारी, अधीक्षक शासकीय आयुर्वेद/यूनानी फार्मसी, प्रधानाचार्य, शासकीय स्वशासी आयुर्वेद, होम्योपैथी तथा यूनानी महाविद्यालयों के माध्यम से प्रदेश में विभिन्न कार्यों एवं गतिविधियों का प्रशासकीय नियंत्रण एवं सूचना के अधिकार का क्रियान्वयन।
12. आयुष चिकित्सा (आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी) सेवाओं संबंधी सभी विषयों जिनका संचालनालय से संबंध हो, उदाहरणार्थ नियुक्ति, पदस्थापना, स्थानांतरण, वेतन, अवकाश, सेवा निवृत्ति, पदोन्नतियां, सामान्य भविष्य निधियां, विभागीय जॉच तथा दण्ड आदि कार्यों का सम्पादन/क्रियान्वयन।

2.4 विभागीय उपलब्धियाँ :-

1. **कोरोना नियंत्रण:-** कोरोना संक्रमण के नियंत्रण में उल्लेखनीय योगदान। विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य साहस एवं निष्ठा पूर्वक सेवायें अर्पित की गईं। प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय कर कोरोना वायरस के नियंत्रण संबंधी कार्य किया गया।
 - आयुर्वेद एवं होम्योपैथी तथा यूनानी पद्धतियों की औषधियों का वितरण कर रोग प्रतिरोधक कार्यक्रम में सहयोग किया।
 - विभागीय संस्थाओं में स्थापित कोविड केयर सेन्टर्स में सेवायें प्रदान की गईं।
2. **मलेरिया रोग नियंत्रण:-** मलेरिया रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में लगभग 70 लाख जनसंख्या को मलेरिया रोग प्रतिरोधक होम्योपैथिक औषधि “मलेरिया ऑफ 200” का दो चरणों में सेवन कराया गया।
3. **आयुष मंत्रालय से प्राप्त अनुदान:-** राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत वर्ष 2021-22 में भारत सरकार से रु. 73.50 करोड़ की स्वीकृति प्राप्त हुई।

4. **आयुष चिकित्सा लाभार्थी:**— वर्ष 2021–22 में आयुष महाविद्यालयों/चिकित्सालयों/औषधालयों एवं शिविरों के माध्यम से अंतरंग सहित लगभग 1.6 करोड़ रोगियों को आयुष चिकित्सा (कोरोना कोविड-19 में वितरित औषधियों सहित) का लाभ प्रदान किया गया।
5. **औषधि उत्पादन :**— वित्तीय वर्ष 2021–22 में शासकीय आयुर्वेद फार्मसी, ग्वालियर द्वारा रुपये 88.00 लाख तथा शासकीय यूनानी फार्मसी भोपाल में रुपये 50.00 लाख की औषधियों का उत्पादन किया गया है।
6. **स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम :**— शैक्षणिक सत्र 2021–22 में शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल में 10, रीवा में 01, उज्जैन में 03, एवं ग्वालियर में 01 विषय एवं शासकीय होम्योपैथी महाविद्यालय में 07 विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिये प्रवेशानुमति प्राप्त।
7. **नवीन भवन निर्माण कार्य:**—
- 25 जिला आयुष कार्यालयों के नवीन भवन का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया।
 - 50 आयुष औषधालयों के नवीन भवनों का निर्माण पूर्ण किया गया।
 - प्रदेश के शासकीय आयुष महाविद्यालयों के सुदृढीकरण के लिये राशि रु. 1999.86 लाख के निर्माण कार्य स्वीकृत।
 - आयुष औषधालयों का उन्नयन कर 362 हेल्थ एण्ड वैलेनेस केन्द्र स्थापित कर संचालन प्रारंभ किया गया है।
 - योग से निरोग कार्यक्रम माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा दिनांक 23.04.2021 को प्रारंभ किया गया जिसमें 1 लाख 87 हजार कोविड संक्रमितों को योगाभ्यास कराया गया।
 - भोपाल, नरसिंहपुर, इंदौर एवं मण्डलेश्वर स्थित 50 बिस्तरीय आयुष चिकित्सालयों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
 - शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय, रीवा के बालिका छात्रावास तथा ओपीडी. भवन—रीवा एवं जबलपुर का निर्माण पूर्ण किया गया।
 - शासकीय स्वशासी यूनानी महाविद्यालय, भोपाल में 180 बिस्तरीय बालिका छात्रावास का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
 - केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल एवं शासकीय होम्योपैथी महाविद्यालय चिकित्सालय में त्वचा रोग सेमिनार जिस पर अनुसंधान इकाई की स्थापना।
 - आयुष एच.डब्ल्यू.सी. में 337 सी.एच.ओ. की पदस्थापना की गयी है। इसके साथ ही 362 योग प्रशिक्षक एवं 362 योग सहायक (अंशकालीन) आमजन को योग का प्रशिक्षण दे रहे हैं।
- 8 **आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत किये गये कार्य :-**
- आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत आयुष विभाग द्वारा औषधीय पौधों का वितरण किया गया जिसमें प्रत्येक जिले में उद्यानिकी विभाग के सहयोग से लगभग 13062 परिवारों को जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में 45470 औषधीय पादप वितरित किये गये।
 - प्रदेश के समस्त उच्च माध्यमिक विद्यालयों, स्नातक महाविद्यालयों के छात्रों के लिए आयुष प्रणाली के माध्यम से स्वस्थ जीवन शैली पर व्याख्यान आयुष आई.ई.सी. सामाग्री (आयुष रक्षा किट में उपलब्ध आई.ई.सी. सामग्री) का वितरण भी किया गया।

- कोविड महामारी से बचने के लिए आयुष रोग प्रतिरोधक दवाओं का वितरण मुख्यतः 60 वर्ष की आयु वाले व्यक्तियों को किया गया।

9. योग से निरोग कार्यक्रम :-

माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा कोविड संक्रमण के समय योग से निरोग कार्यक्रम प्रारंभ करने की घोषणा की। इस कार्यक्रम को आयुष विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, इण्डियन योग एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया गया। माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा दिनांक 23.04.2021 को उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है।

योग से निरोग कार्यक्रम के अंतर्गत होम आईसोलेशन में रह रहे कोविड संक्रमित व्यक्तियों एवं पोस्ट कोविड व्यक्तियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बनाये रखने के लिए 1 लाख 87 हजार ऑनलाईन योगाभ्यास कराया गया है।

10. वैद्य आपके द्वारा (आयुष क्योर टेलिमेडिसिन एप) –

आज के इस सूचना प्रौद्योगिकी के युग में चिकित्सा विज्ञान, इंजीनियरिंग का समन्वय रूप टेलीमेडिसिन है। आयुष विभाग द्वारा सामान्य जन को आयुष स्वास्थ्य सेवा, सहजता से घर पर ही सुलभ कराने के उद्देश्य से टेलीमेडिसिन क्षेत्र में वैद्य आपके द्वार योजना अंतर्गत आयुष सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से आयुष क्योर एप के माध्यम से घर बैठे निःशुल्क लाइव वीडियो कॉल पर आयुष चिकित्सा विशेषज्ञों से परामर्श लेने की सुविधा विकसित की गयी है। योजना अंतर्गत आयुष की तीनों विधाओं आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी का लाभ प्रदान किया जाता है। इस एप को 37,771 लोगों द्वारा डाउनलोड किया जा चुका है।

चिकित्सा क्षेत्र में विशेष सुविधा हेतु आयुष क्योर एप को राष्ट्र स्तरीय “स्कॉच अवार्ड” भी प्रदान किया गया है।

11. आयुष क्षेत्र में अनुसंधान:-

- कोविड-19 संक्रमण के चिकित्सा प्रबंधन में गुडुची घनवटी की प्रभावकारिता, सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिये एक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।
- आरोग्य कषायम 20 का लक्षण रहित एवं अल्पलक्षण वाले कोविड- 19 रोगियों में प्रभावों का आंकलन हेतु रेन्डमाइज्ड कंट्रोल अध्ययन।
- कोविड-19 के हल्के, मध्यम व गंभीर रोगियों के उपचार में होम्योपैथी औषधियों का Add - on थेरेपी की प्रभावशीलता का अध्ययन।
- सोरायसिस के उपचार हेतु केंद्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद आयुष मंत्रालय के सहयोग से विशिष्ट ओपीडी का संचालन।
- PVTGs के बीच सिकल सेल विकार के लिए सहायक चिकित्सा के रूप में होम्योपैथी की प्रभावशीलता का मूल्यांकन अंतर्गत 2053 पॉजिटिव रोगियों का उपचार किया जा रहा है।

2.5 विभागीय गतिविधियां एवं योजनाएं:-

2.5.1 केन्द्र प्रवर्तित योजनाएं

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एन.एच.एम.)

भारत सरकार की राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजनांतर्गत राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन आयुष चिकित्सा पद्धति को मुख्यधारा में लाने हेतु सम्मिलित किया गया। म.प्र. में इस योजनांतर्गत लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सिविल अस्पतालों में संविदा पर 526 आयुष चिकित्सा अधिकारियों एवं फार्मासिस्ट कार्यरत है।

राष्ट्रीय आयुष मिशन (एन.ए.एम.):

भारत सरकार की योजना अंतर्गत आयुष मिशन की स्थापना की गई है। इसका उद्देश्य आयुष चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना, आयुष शैक्षणिक संस्थानों, राज्य सरकार की ए.एस.यू एवं एच भेषजियों, औषध परीक्षण प्रयोगशालाओं और ए.एस.यू एवं एच.प्रवर्तन तंत्र के उन्नयन के माध्यम से राज्य स्तर पर संस्थागत क्षमता सुदृढ़ करना है। इसके साथ उत्तम कृषि पद्धतियों (जी.ए.पी) को अपनाकर औषधीय पादपों की कृषि में सहायता प्रदान करना ताकि गुणवत्तायुक्त कच्ची सामग्री की सतत् आपूर्ति सहित गुणवत्तायुक्त मानकों, उत्तम कृषि/संग्रहण/भंडारण पद्धतियों के लिये प्रमाणन तंत्र का समर्थन करना है। इसके अतिरिक्त औषधीय कृषि उत्पाद भंडारण, मूल्य संवर्धन और विपणन के अभिसरण द्वारा समूहों की स्थापना में सहायता और उद्यमियों के लिये अधोसंरचना का विकास करना भी मिशन के उद्देश्यों में शामिल है।

राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना के क्रियान्वयन हेतु राज्य स्तर पर राज्य आयुष मिशन सोसायटी का गठन किया गया है। सोसाइटी के कार्यकारी निकाय एवं शासी निकाय राष्ट्रीय आयुष मिशन का प्रस्ताव भारत सरकार की योजना अनुसार तैयार कर राज्य वार्षिक कार्ययोजना प्राप्त भारत सरकार को प्रेषित किया जाकर स्वीकृति अनुसार क्रियान्वयन कराया जाता है।

1. सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के लिए आयुष औषधियों/सहायता
2. आयुष चिकित्सालयों का उन्नयन एवं आवश्यक औषधियों के लिए सहायता
3. आयुष औषधालयों का उन्नयन एवं आवश्यक औषधियों के लिये सहायता
4. 50 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष एवं स्पेशलिटी अस्पताल की स्थापना
5. सार्वजनिक स्वास्थ्य गतिविधियों का प्रचार-प्रसार
6. बी.सी.सी./आई.ई.सी.
7. आयुष ग्राम
8. योग वैलनेस का प्रारंभ करना।
9. आयुष शैक्षणिक संस्थाओं में विशिष्ट सुविधाओं का विस्तार करना।
10. आयुष औषधियों का गुणवत्ता नियंत्रण।
11. औषधियों की गुणवत्ता हेतु आयुष फार्मेशियों तथा औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ाना।
12. आयुष हैल्थ एंड वैलनेस केन्द्रों की स्थापना, योग एवं पंचकर्म की सुविधा उपलब्ध कराना।

आयुष ग्राम

भारत सरकार की राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना के अंतर्गत चयनित 75 ग्रामों में आयुष ग्राम की स्थापना की गई। इस योजना का उद्देश्य आयुष चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से ग्रामीण जन के स्वास्थ्य को उत्तम बनाये रखना है।

2.5.2 राज्य स्तरीय योजनाएं एवं कार्यक्रम

2.5.2.1 आयुष रोग नियंत्रण कार्यक्रम”

असंचारी रोग

1. मधुमेह
2. अर्श
3. संधिवात-आमवात
4. रक्ताल्पता
5. उच्च रक्तचाप

संचारी रोग

1. मलेरिया
2. डेंगू
3. फ्लू

2.5.2.2 आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश:-

क. ग्रामीण क्षेत्रों में उच्चस्तरीय आयुष स्वास्थ्य सेवायें प्रदान करना

- प्रदेश में 362 आयुष हेल्थ एवं वेलनेस केन्द्रों (HWCs) संचालित।

ख. आयुष चिकित्सा सेवाओं का सुदृढीकरण व उन्नयन।

- भोपाल और इंदौर में आयुष सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों की स्थापना।
- आयुर्वेद और यूनानी फार्मसियों का उन्नयन।

ग. आयुर्वेद और होम्योपैथी जैसी चिकित्सा पद्धतियों के क्षेत्रों के बीच संचार और सहयोग के लिये साझा मंच का निर्माण।

घ. असंचारी और क्रोनिक बीमारियों के लिए आयुष दवाओं पर अनुसंधान और विकास।

- संचारी रोगों के लिये आयुष चिकित्सा पद्धतियों का अनुसंधान और विकास
- आधुनिक जैव चिकित्सा अनुसंधान के साथ एक ही छत के नीचे आयुष क्षेत्र में विश्व स्तर के अनुसंधान का संचालन करना।

च. निवारक देखभाल (प्रीवेन्टिव केयर) के लिये आयुष दवाओं पर जोर

- आयुष औषधालयों, चिकित्सालयों में औषधि उद्यान की स्थापना।
- आयुष हेल्थ एवं वेलनेस केन्द्र एवं आयुष ग्रामों में योग चिकित्सा।
- असंचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम।

छ. जीवन अमृत योजना

आयुष विभाग द्वारा कोविड-19 महामारी के दौरान रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए काढ़ा वितरण किया गया प्रदेश में विभिन्न जिलों में लगभग 30 लाख लोगों को काढ़ा वितरण कर आमजन को महामारी से बचाव हेतु रोगप्रतिरोधक क्षमता वृद्धि करने की दृष्टि से काढ़ा वितरण के साथ-साथ कोविड-19 के प्रोटोकॉल का पालन करना जैसे मास्क लगाने भीड़ से बचने तथा देह से दूरी बनाए रखे के नियमों का पालन सुनिश्चित किये जाने हेतु जागरूकता फैलाई गयी।

जीवन अमृत योजना अंतर्गत 8 अप्रैल 2021 से 31 दिसम्बर 2021 तक प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु प्रदेश में वितरित औषधियों की जानकारी:—

S.No.	District	No. of Beneficiaries of Ayurvedic Medicine Including Kadha	No. of Beneficiaries of Homeopathy Medicine	No. of Beneficiaries of Unani Medicine	Total No. Of Beneficiary
1	2	3	4	5	6
1	Sehore	98290	82643	28242	209175
2	Harda	37204	52740	0	89944
3	Rajgarh	65565	52894	0	118459
4	Bhopal	104818	163024	141321	409163
5	Betul	87361	58402	0	145763
6	Vidisha	59957	39004	17531	116492
7	Raisen	57106	38926	21298	117330
8	Hoshangabad	42699	31624	531	74854
9	Ashoknagar	37391	6358	0	43749
10	Guna	27079	10091	337	37507
11	Shivpuri	65167	60900	0	126067
12	Sheopur	68424	39840	1010	109274
13	Gwalior	300472	38341	2629	341442
14	Morena	29885	28976	0	58861
15	Bhind	35676	7412	0	43088
16	Datia	56727	39187	0	95914
17	Indore	340479	54952	8849	404280
18	Dhar	54821	20648	0	75469
19	Jhabha	55668	19583	1720	76971
20	Alirajpur	46154	42212	0	88366
21	Khargone	124090	8040	0	132130
22	Barwani	24136	4861	30	29027

S.No.	District	No. of Beneficiaries of Ayurvedic Medicine Including Kadha	No. of Beneficiaries of Homeopathy Medicine	No. of Beneficiaries of Unani Medicine	Total No. Of Beneficiary
23	Khandwa	49201	50638	2275	102114
24	Burhanpur	83848	7384	2329	93561
25	Jabalpur	90739	66040	520	157299
26	Chhindwara	54517	17391	517	72425
27	Balaghat	149656	212264	752	362672
28	Seoni	32333	12215	98	44646
29	Mandla	39021	18704	157	57882
30	Katni	22218	57903	0	80121
31	Narsinghpur	27650	5601	0	33251
32	Dindori	13429	38935	0	52364
33	Rewa	30616	32989	89	63694
34	Satna	16288	17176	0	33464
35	Sidhi	25365	6039	20	31424
36	Singroli	32054	7097	0	39151
37	Sahdole	5156	51747	0	56903
38	Umariya	14582	2470	5	17057
39	Anupur	27679	20502	0	48181
40	Sagar	20159	26285	0	46444
41	Chhatarpur	50556	18031	0	68587
42	Tikamgarh	53722	161690	0	215412
43	Panna	55527	8212	0	63739
44	Damoh	111045	19785	0	130830
45	Ujjain	82313	13326	375	96014
46	Dewas	75027	28801	0	103828
47	Shajapur	44945	33914	0	78859
48	Agar Malwa	57164	7098	0	64262
49	Ratlam	48285	7103	0	55388
50	Mandsour	70783	7850	0	78633
51	Neemuch	85038	1706	349	87093
TOTAL		3288085	1859554	230984	5378623

[illegible]

2.5.3 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस :-

मध्यप्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हेतु स्कूल शिक्षा विभाग को नोडल अधिकारी बनाया जाकर आयोजन किया जाता है। भोपाल में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है तथा जिला मुख्यालयों पर भी सभी विभागों के सहयोग से आयोजन किये जाते हैं।

आयुष विभाग द्वारा प्रदेश में दिनांक 21 जून 2021 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कोविड-19 आपदा के कारण आम जन को घर से ही योग कार्यक्रम में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया।

2.5.4 महिला नीति :-

- प्रदेश में राज्य शासन के नियमानुसार महाविद्यालयों में प्रवेश हेतु 33 प्रतिशत सीट्स महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।
- निजी क्षेत्र के संत हिरदाराम प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग महाविद्यालय भोपाल तथा पूर्णायु आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं अनुसंधान विद्यापीठ गर्ल्स कॉलेज जबलपुर में संचालित पाठ्यक्रमों की समस्त सीटें महिलाओं के लिये आरक्षित रखी गई हैं।
- महिला अधिकारियों, कर्मचारियों के कार्यस्थल पर उत्पीडन की रोकथाम हेतु विभागीय कार्यालयों में समितियां गठित हैं।

2.6 विभागीय मानक सेवाएँ

2.6.1 आयुष महाविद्यालयीन चिकित्सालय की मानक सेवाएँ :-

क्र.	मानक सेवाएँ	जिम्मेदार अधिकारी
1	सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण	प्रधानाचार्य
2	पैथोलॉजिकल टेस्ट	प्रधानाचार्य
3	एक्सरे जॉच	प्रधानाचार्य
4	विद्यालयीन विद्यार्थी स्वास्थ्य परीक्षण	प्रधानाचार्य
5	योग परामर्श	प्रधानाचार्य
6	प्रकृति परीक्षण	प्रधानाचार्य
7	बाह्य रोगी सेवा (जॉच एवं उपचार)	प्रधानाचार्य
8	अंतरंग रोगी सेवा	प्रधानाचार्य
9	पंचकर्म	प्रधानाचार्य
10	लघु शल्य कर्म	प्रधानाचार्य
11	क्षारसूत्र	प्रधानाचार्य
12	जलौकावचरण	प्रधानाचार्य
13	प्रसव पूर्व परीक्षा एवं देखरेख	प्रधानाचार्य
14	प्रसव	प्रधानाचार्य

क्र.	मानक सेवाएँ	जिम्मेदार अधिकारी
15	प्रसवोपरान्त परीक्षण एवं देखरेख	प्रधानाचार्य
16	निःशुल्क औषधि वितरण	प्रधानाचार्य
17	नेत्र रोगियों की जाँच एवं उपचार	प्रधानाचार्य

2.6.2 जिला आयुष चिकित्सालय/आयुष विंग की मानक सेवाएँ –

क्र.	मानक सेवाएँ	जिम्मेदार अधिकारी
1	सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श	आर.एम.ओ./ चिकित्सक
2	बाह्य रोगी सेवा (जाँच एवं उपचार)	आर.एम.ओ./ चिकित्सक
3	अंतरंग रोगी सेवा	कंसलटेन्ट
4	निःशुल्क औषधि वितरण	आर.एम.ओ./ चिकित्सक
5	यूनानी रेजीमेनल थेरेपी से उपचार	कंसलटेन्ट

2.6.3 आयुष औषधालयों/आयुष क्लीनिक्स की मानक सेवाएँ –

क्र.	मानक सेवाएँ	जिम्मेदार अधिकारी
1	सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श	प्रभारी चिकित्सक
2	बाह्य रोगी सेवा (जाँच एवं उपचार)	
3	अंतरंग रोगी सेवा –	
4	निःशुल्क औषधि वितरण	

2.6.4 लोक सेवा गारंटी :-

मध्यप्रदेश लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 की धारा 3 के तहत आयुष विभाग की निम्नलिखित सेवाएं अधिसूचित हैं :-

सेवा क्रमांक	सेवा का नाम	सेवा प्रदान करने की समय-सीमा
01.	आयुष चिकित्सकों का पंजीयन	30 कार्य दिवस
02.	आयुष चिकित्सकों का प्रोविजनल पंजीयन	30 कार्य दिवस
03.	अन्य प्रदेश में पंजीयन के लिये एन.ओ.सी.	30 कार्य दिवस
04.	आयुर्वेद औषधि निर्माण लाइसेंस जारी करना	30 कार्य दिवस
05.	होम्योपैथी औषधि निर्माण लाइसेंस जारी करना	30 कार्य दिवस



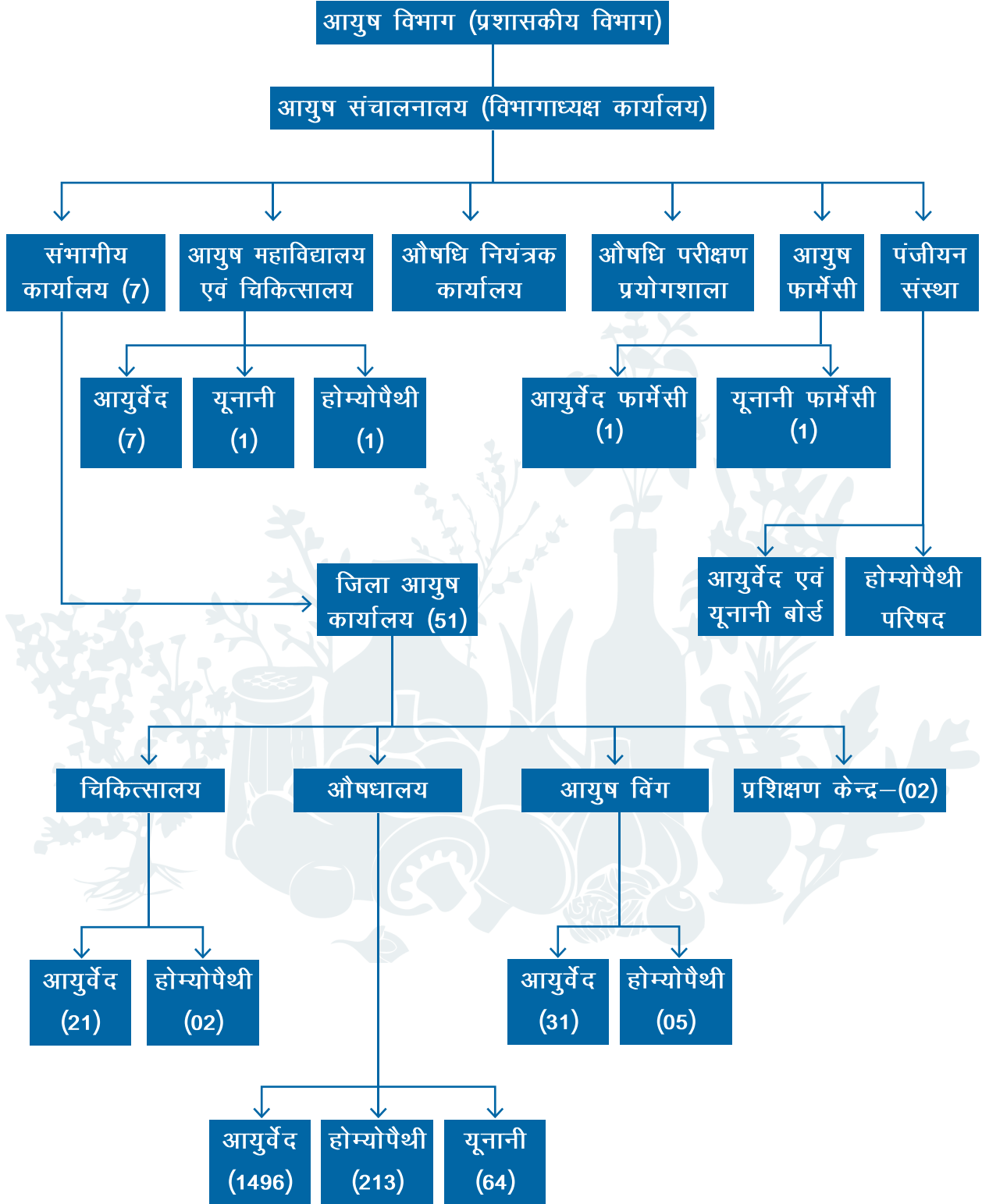
भाग-3

विभागीय संरचना एवं सांख्यिकी





3.1 विभागीय संरचना :-



3.2 महत्वपूर्ण सांख्यिकी एवं विभागीय अधोसंरचनाएं

संचालनालय सांख्यिकीय जानकारी:

क्र.	पदनाम	स्वीकृत पद
1.	आयुक्त / संचालक	01
2.	संयुक्त संचालक, आयुर्वेद	01
3.	संयुक्त संचालक, होम्योपैथी	01
4.	अनुज्ञापन प्राधिकारी	01
5.	उपसंचालक, आयुर्वेद	01
6.	उपसंचालक, होम्योपैथी	01
7.	उपसंचालक, यूनानी	01
8.	औषधि निरीक्षक आयुर्वेद सिद्धा, यूनानी	02
9.	उपसंचालक, अतकनीकी	01
10.	औषधालय अधीक्षक	01
11.	सहायक संचालक, आयुर्वेद	01
12.	वित्त अधिकारी	01
13.	प्रशासकीय अधिकारी	01
14.	सांख्यिकीय अधिकारी	01
15.	वरिष्ठ शीघ्रलेखक	01
16.	अधीक्षक	03
17.	कनिष्ठ लेखाधिकारी	01
18.	मुख्य लेखापाल	01
19.	लेखापाल	01
20.	शीघ्रलेखक	02
21.	स्टेनो टाइपिस्ट	01
22.	मुख्य अंकक्षक	01
23.	अंकक्षक	01
24.	सहायक ग्रेड – 1	08
25.	सहायक ग्रेड – 2	11
26.	सहायक ग्रेड – 3	18
27.	ड्रायवर	03
28.	भृत्य / चौकीदार	16
योग		83

महत्वपूर्ण सांख्यिकीय जानकारी (प्रशासकीय):

1. संभागीय आयुष कार्यालय –	07
2. जिला आयुष कार्यालय –	51
3. शासकीय आयुर्वेद फार्मसी –	01
4. शासकीय यूनानी फार्मसी –	01
5. पंडित उद्ववदास मेहता स्मृति आयुर्वेद/यूनानी चिकित्सालय भोपाल	01
6. आयुष चिकित्सालय (आयु.-28 होम्यो.-03, यूनानी-01) –	32
7. शासकीय आयुष महाविद्यालयीन चिकित्सालय में रोगी शैय्याएँ –	820
8. शासकीय आयुष औषधालयों की संख्या :- (आयुर्वेद-1496, यूनानी-64, होम्योपैथी-213)	1773

महत्वपूर्ण सांख्यिकीय जानकारी (आयुष शिक्षा)

1. शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय –	07
2. शासकीय (स्वशासी) यूनानी महाविद्यालय –	01
3. शासकीय (स्वशासी) होम्योपैथी महाविद्यालय –	01
4. आयुष प्रशिक्षण केन्द्र –	02
5. निजी आयुर्वेद महाविद्यालय –	23
6. निजी होम्योपैथी महाविद्यालय –	23
7. निजी यूनानी महाविद्यालय –	03
8. निजी योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय –	07

3.3 संस्थावार मानव संसाधन (स्वीकृत, भरे एवं रिक्त पद)

श्रेणी	स्वीकृत	भरे पद	रिक्त पद
प्रथम	414	255	159
द्वितीय	2316	1234	1082
तृतीय	2994	1967	1207
चतुर्थ	4030	2810	1220
योग	9754	6266	3488

नोट:- इन पदों के अतिरिक्त कार्यालय, चिकित्सालय एवं औषधालयों में 1830 पार्ट टाइम स्वीपर के पद स्वीकृत हैं।

एन.आर.एच.एम. अंतर्गत पदस्थ चिकित्सक एवं फार्मासिस्ट की जानकारी

क्रमांक	पद नाम	आयुर्वेद	होम्योपैथी	यूनानी	योग
1	चिकित्सक	171	189	35	395
2	फार्मासिस्ट	69	61	1	131
	योग	240	250	36	526

3.4 विभाग में लागू अधिनियम एवं नियम

1. मध्य प्रदेश आयुर्वेद, यूनानी तथा प्राकृतिक चिकित्सा व्यवसायी अधिनियम, 1971
2. म.प्र. आयुर्वेद, यूनानी एवं प्राकृतिक चिकित्सा व्यवसायी नियम, 1973
3. मध्य प्रदेश होम्योपैथी परिषद अधिनियम, 1976
4. म.प्र. होम्योपैथी परिषद (रजिस्टर का प्रकाशन तथा अपील) नियम, 2000
5. मध्य प्रदेश चिकित्सीय शिक्षा संस्था (नियंत्रण) अधिनियम, 1973 संशोधित नियम-2006
6. स्व. पंडित उद्धवदास मेहता के नाम पर आयुर्वेद के क्षेत्र में किये गये उत्कृष्ट योगदान हेतु संस्थापित पुरस्कार नियम 2013
7. म.प्र. शासन "आयुष विभाग" राजपत्रित सेवा भर्ती नियम, 2013
8. म.प्र. शासन "आयुष विभाग" अराजपत्रित सेवा भर्ती नियम, 2013
9. एन.आर.एच.एम संविदा सेवा भर्ती नियम 2018
10. म.प्र. आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी स्नातक प्रवेश नियम, 2021
11. म.प्र. योगा एण्ड नेचुरोपैथी स्नातक पाठ्यक्रम प्रवेश नियम, 2021
12. म.प्र. एम.डी./एम.एस. (आयुर्वेद) स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रवेश नियम, 2021
13. म.प्र. एम.डी. (होम्योपैथी) स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रवेश नियम, 2021
14. म.प्र. योगा एण्ड नेचुरोपैथी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रवेश नियम, 2021
15. म.प्र. आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं यूनानी महाविद्यालय एवं चिकित्सालय शासकीय स्वशासी सेवा (शिक्षकीय संवर्ग) भर्ती नियम, 2022

विभागीय जांच प्रकरणों की जानकारी :-

श्रेणी	वर्ष 2018 के लंबित प्रकरण	वर्ष 2019 के लंबित प्रकरण	वर्ष 2020 के लंबित प्रकरण	वर्ष 2021 के लंबित प्रकरण	योग	31.12.21 तक निराकृत प्रकरण
प्रथम	02	01	01	—	04	04
द्वितीय	04	—	02	01	07	03
तृतीय	01	04	03	—	08	09
चतुर्थ	01	03	—	01	05	02
योग	08	08	06	02	24	18

विभागीय न्यायालयीन प्रकरणों की जानकारी :-

क्र0	लंबित प्रकरणों की जानकारी 01.01.2021 से 31.12.2021 की स्थिति में	संख्या
1.	लंबित न्यायालयीन प्रकरणों की संख्या	498
2.	जवाब प्रस्तुति की स्थिति – प्रस्तुत	449
3.	जवाब प्रस्तुति की स्थिति – प्रत्यावर्तन के लिये शेष	49
4.	प्रकरणों की संख्या जिसमें न्यायालय के आदेश का पालन किया जाना है।	10
5.	प्रकरणों की संख्या जिनमें एस.एल.पी. प्रस्तुत की गई	03
6.	ऐसे प्रकरणों की संख्या जिनमें अवमानना का नोटिस हो या अवमानना का प्रकरण लंबित हो	56

वर्ष 2021 में 101 न्यायालयीन प्रकरणों का निराकरण हुआ जिसमें से 96 न्यायालयीन प्रकरण विभाग के पक्ष में निर्णित हुये।



भाग-4

आयुष शिक्षा





4.1 प्रदेश के शासकीय एवं निजी आयुष महाविद्यालय

शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय:—

क्र.	महाविद्यालय का नाम	सीट संख्या	
		स्नातक	स्नातकोत्तर
आयुर्वेद			
1	पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, भोपाल	75	64
2	शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, ग्वालियर	75	05
3	शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, जबलपुर	75	—
4	शासकीय (स्वशासी) अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, इन्दौर	75	—
5	शासकीय (स्वशासी) धन्वन्तरी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, उज्जैन	75	11
6	पं. शिवनाथ शास्त्री शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, बुरहानपुर	50	—
7	शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, रीवा	75	06
योग		500	86

निजी आयुर्वेद महाविद्यालय:—

क्र.	महाविद्यालय का नाम	सीट संख्या	
		स्नातक	स्नातकोत्तर
आयुर्वेद			
1	रानी दुल्लैया आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल ।	100	64
2	डॉ०शिवशक्तिलाल शर्मा आयुर्वेद महाविद्यालय रतलाम ।	100	18
3	शुभदीप आयुर्वेद महाविद्यालय इंदौर	60	—
4	मंदसौर इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद एजुकेशन, मंदसौर ।	100	—
5	मानसरोवर आयुर्वेद मेडिकल कालेज एण्ड रिसर्च सेन्टर भोपाल ।	100	15
6	श्री साईं इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक रिसर्च एण्ड मेडिसन मानसरोवर केम्पस, कोलार रोड भोपाल ।	100	—
7	सैम कॉलेज ऑफ आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल ग्राम—अगरिया चौपड़ा भोपाल रोड रायसेन म.प्र. ।	60	—

8	एल.एन. आयुर्वेद मेडिकल कालेज जे.के. टाउन कोलार रोड भोपाल ।	100	—
9	पाराशर आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज एण्ड हॉस्पिटल जिरनियां नरसिंहगढ़ रोड पारवालिया भोपाल ।	60	—
10	विजयश्री आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज एण्ड हॉस्पिटल, जे.डी.ए. स्कीम नं.— 41/65, ग्राम बसहा(रैगवा), कच्छपुरा रेलवे स्टेशन जबलपुर	60	—
11	ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हास्पिटल, बैतूल ।	40	—
12	पूर्णायु आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं अनुसंधान विद्यापीठ गर्ल्स कॉलेज जबलपुर	100	—
13	फेकल्टी ऑफ आयुर्वेद मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी सीहोर	100	—
14	सर्वपल्ली राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ आयुर्वेद हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर भोपाल	100	—
15	डिपार्टमेंट ऑफ आयुर्वेद एण्ड कम्युनिटी आई.ई.एस. यूनिवर्सिटी केम्पस भोपाल	60	—
16	डॉ. शंकरदयाल शर्मा आयुर्वेद कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल भोपाल	60	—
17	आर.एन.कपूर मेमोरियल आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल इन्दौर	60	—
18	रामकृष्ण कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एण्ड मेडिकल साइंसेस भोपाल	60	—
19	सरदार पटेल आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल बालाघाट	60	—
20	स्कूल ऑफ आयुर्वेद एण्ड सिद्धा सीहोर	60	—
21	सरदार अजीत सिंह स्मृति आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल	60	—
22	राजीव गांधी आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल (भारत सरकार से सत्र 2021-22 हेतु प्रवेश मान्यता प्राप्त नहीं)	—	—
23	वीणा वादिनी आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल (भारत सरकार से सत्र 2021-22 हेतु प्रवेश मान्यता प्राप्त नहीं)	—	—
योग		1600	97

शासकीय होम्योपैथी महाविद्यालय:—

क्र.	महाविद्यालय का नाम	सीट संख्या	
		स्नातक	स्नातकोत्तर
1	शासकीय (स्वशासी) होम्योपैथी महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, भोपाल	125	69

निजी होम्योपैथी महाविद्यालय –

क्र.	महाविद्यालय का नाम	सीट संख्या	
		स्नातक	स्नातकोत्तर
1	हेनीमन होम्योपैथी महाविद्यालय भोपाल	90	—
2	आर.के.डी.एफ. होम्योपैथी महाविद्यालय मंडीदीप भोपाल	100	51
3	शिवांग होम्योपैथी महाविद्यालय भोपाल ।	100	—
4	सोफिया होम्योपैथी महाविद्यालय ग्वालियर ।	100	—
5	गुजराती समाज होम्योपैथी महाविद्यालय इंदौर ।	100	—
6	डिस्ट्रिक्ट होम्योपैथी महाविद्यालय रतलाम ।	100	6
7	महात्मा गांधी होम्योपैथी महाविद्यालय जबलपुर ।	100	—
8	संधवा होम्योपैथी महाविद्यालय संधवा, बड़वानी	100	—
9	अनुश्री होम्योपैथी महाविद्यालय जबलपुर ।	100	—
10	रामकृष्ण कालेज ऑफ होम्योपैथी एण्ड मेडिकल साइंस भोपाल ।	100	—
11	स्कूल ऑफ होम्योपैथी श्री सत्य साईं यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलाजी एण्ड मेडिकल साइंस सीहोर ।	80	—
12	एस.एम. देव होम्योपैथिक मेडिकल कालेज बॉलाघाट ।	50	—
13	वंसुधरा राजे होम्योपैथी मेडिकल कालेज ग्वालियर ।	80	—
14	के.एस. होम्योपैथी मेडिकल कालेज ग्वालियर ।	60	—
15	इंदिरा गांधी होम्योपैथी महाविद्यालय धार ।	100	—
16	रानी दुल्लैया होम्योपैथी महाविद्यालय भोपाल ।	100	—
17	नारायण श्री होम्योपैथी महाविद्यालय भोपाल ।	100	—
18	आर.एन. कपूर मेमोरियल होम्योपैथी हॉस्पिटल एण्ड मेडिकल कॉलेज इन्दौर	100	—
19	स्वामी प्रणवानंद होम्योपैथी महाविद्यालय छतरपुर (भारत सरकार से सत्र 2021-22 हेतु प्रवेश मान्यता प्राप्त नहीं)	—	—
20	अरिहन्त होम्योपैथी महाविद्यालय संधवा (भारत सरकार से सत्र 2021-22 हेतु प्रवेश मान्यता प्राप्त नहीं)	—	—
21	सागर होम्योपैथिक मेडिकल कालेज सागर । (भारत सरकार से सत्र 2021-22 हेतु प्रवेश मान्यता प्राप्त नहीं)	—	—
22	एल.बी.एस. होम्योपैथिक मेडिकल कालेज भोपाल । (भारत सरकार से सत्र 2021-22 हेतु प्रवेश मान्यता प्राप्त नहीं)	—	—
23	शीतला सहाय होम्योपैथी महाविद्यालय ग्वालियर (भारत सरकार से सत्र 2021-22 हेतु प्रवेश मान्यता प्राप्त नहीं)	—	—
योग		1660	57

शासकीय यूनानी महाविद्यालय:-

क्र.	महाविद्यालय का नाम	सीट संख्या	
		स्नातक	स्नातकोत्तर
1	हकीम सैय्यद जियाउल हसन शासकीय (स्वशासी) यूनानी महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, भोपाल	75	—

निजी यूनानी महाविद्यालय

क्र.	महाविद्यालय का नाम	सीट संख्या	
		स्नातक	स्नातकोत्तर
1	अलफारुख यूनानी महाविद्यालय, इंदौर।	50	—
2	हकीम अब्दुल हमीद यूनानी महाविद्यालय, देवास।	60	—
3	सैफिया हमीदिया तिब्बिया यूनानी महाविद्यालय, बुरहानपुर।	50	—

निजी प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय –

क्र.	महाविद्यालय का नाम	सीट संख्या	
		स्नातक	स्नातकोत्तर
1	संत हिरदाराम प्राकृतिक एवं योग महाविद्यालय, बैरागढ़ भोपाल।	70	09
2	एस.एम.ए. आयुष मेडिकल कालेज ऑफ नैचुरोपैथी एण्ड योगिक साइंस एण्ड हॉस्पिटल, भोपाल।	30	—
3	पाराशर साइंस एण्ड टेक्नालॉजी, प्राकृतिक चिकित्सा एवं यौगिक साइंस कॉलेज, भोपाल (भारत सरकार से सत्र 2021-22 हेतु प्रवेश मान्यता प्राप्त नहीं)	100	—
4	नवाम्बे कॉलेज ऑफ नैचुरोपैथी एण्ड यौगिक साइंस, पुरवा बरेला जबलपुर (भारत सरकार से सत्र 2021-22 हेतु प्रवेश मान्यता प्राप्त नहीं)	100	—
5	प्रिया पीताम्बरा प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान महाविद्यालय दतिया (भारत सरकार से सत्र 2021-22 हेतु प्रवेश मान्यता प्राप्त नहीं)	50	—
6	पी.बी.जी.एम. मेडिकल कॉलेज आफ नैचुरोपैथी एण्ड यौगिक साइंस एण्ड हॉस्पिटल भोपाल।	30	—
7	एम.एल.बी. नैचुरोपैथी मेडिकल कॉलेज एण्ड यौगिक साइंस, ग्वालियर।	60	—
	योग	440	09

4.2 शासकीय (स्वशासी) आयुष महाविद्यालयों द्वारा संचालित पैरामेडिकल पाठ्यक्रम—

पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, भोपाल

क्र०	पाठ्यक्रम	अवधि	सीट्स संख्या
1	डी फार्मा – आयुर्वेद डिप्लोमा	दो वर्ष	50
2	पंचकर्म टेक्नीशियन प्रमाण पत्र	एक वर्ष	50

शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, रीवा

क्र०	पाठ्यक्रम	अवधि	सीट्स संख्या
1	डी. फार्मा – आयुर्वेद डिप्लोमा	दो वर्ष	50

शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, जबलपुर

क्र०	पाठ्यक्रम	अवधि	सीट्स संख्या
1	डी फार्मा	दो वर्ष	50
2	पंचकर्म टेक्नीशियन प्रमाण पत्र	एक वर्ष	50

शासकीय (स्वशासी) अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, इन्दौर

क्र०	पाठ्यक्रम	अवधि	सीट्स संख्या
1	डी. फार्मा – आयुर्वेद डिप्लोमा	दो वर्ष	50
2	पंचकर्म टेक्नीशियन प्रमाण पत्र	एक वर्ष	50

शासकीय होम्योपैथी महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, भोपाल –

क्र०	पाठ्यक्रम	अवधि	सीट्स संख्या
1	डिप्लोमा इन फार्मेसी	दो वर्ष	50
2	योगा	दो वर्ष	50
3	नेचुरोपैथी	दो वर्ष	50

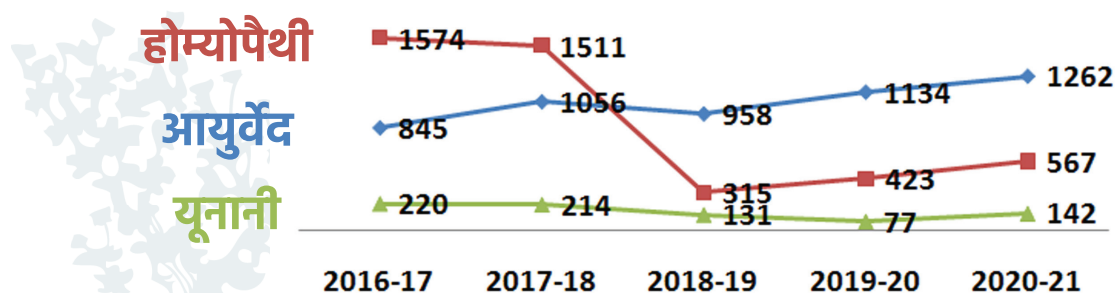
हकीम सैय्यद ज़ियाउल हसन शासकीय (स्वशासी) यूनानी महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, भोपाल

क्र०	पाठ्यक्रम	अवधि	सीट्स संख्या
1	डिप्लोमा इन फार्मेसी (यूनानी)	दो वर्ष	50

4.3 सत्र 2020–2021 में प्रवेशित विधावार छात्र संख्या:—

2020–2021 में प्रवेशित छात्र संख्या एवं रिक्त सीटों की स्थिति									
स्नातक स्तर									
विधा	शासकीय			निजी			कुल सीट संख्या	कुल रिक्त सीट संख्या	रिक्त सीटों का प्रतिशत
	सीट संख्या	प्रवेशित छात्र	रिक्त सीटें	सीट संख्या	प्रवेशित छात्र	रिक्त सीटें			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
आयुर्वेद	500	494	6	800	768	32	1300	38	2.92
होम्योपैथी	125	125	0	1420	442	978	1545	978	63.30
यूनानी	75	55	20	155	87	68	230	88	38.26
नैचुरोपैथी	0	0	0	136	53	83	136	83	61.02
कुल	700	674	26	2511	1350	1161	3211	1187	36.96

Admission Summary



स्नातकोत्तर स्तर									
विधा	शासकीय			निजी			कुल सीट संख्या	कुल रिक्त सीट संख्या	रिक्त सीटों का प्रतिशत
	सीट संख्या	प्रवेशित छात्र	रिक्त सीटें	सीट संख्या	प्रवेशित छात्र	रिक्त सीटें			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
आयुर्वेद	86	86	0	46	16	30	132	30	22.72
होम्योपैथी	69	69	0	6	1	5	75	5	6.66
यूनानी	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	155	155	0	52	17	35	207	35	16.90



योग गुरु बाबा रामदेव जी
के अनमोल वचन :

“

शिवराज जी आपकी स्वास्थ्य निष्ठा, योग निष्ठा,
आयुर्वेद निष्ठा, राष्ट्र निष्ठा, स्वदेशी निष्ठा और सेवा निष्ठा
को प्रणाम करता हूं। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री
श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में आप कोरोना के विरुद्ध
योजनाबद्ध लड़ाई लड़ रहे हैं। एलोपैथिक चिकित्सा
सुविधाओं में वृद्धि के साथ योग, आयुर्वेद के माध्यम
कोरोना को समाप्त करने का आपका प्रयास सराहनीय है।

21 मई 2021
योग से निरोग
कार्यक्रम
स्वस्थ हुए
मरीजों तथा
योग प्रशिक्षकों
से संवाद।



www.shivraj.mp | f /ChouhanShivraj | /ChouhanShivrajsingh



एशन का विशेष सहयोग

का
संवाद
21 मई, 2021

आयुष विभाग
स्कूल शिक्षा विभाग
मध्यप्रदेश शासन



4.4 आयुष महाविद्यालयों की फीस:-

क्र.	नाम महाविद्यालय	स्नातक फीस	स्नातकोत्तर फीस	पैरामेडिकल फीस	
1	पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान भोपाल	40000	45000	डी.फार्मा (आयुर्वेद)	53420
				आयुर्वेद पंचकर्म टेक्नीशियन	37220
2	प. शिवनाथ शास्त्री शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय बुरहानपुर	40000		—	—
3	शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय ग्वालियर	40000	45000	—	—
4	शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय रीवा	40000	45000	डी.फार्मा (आयुर्वेद)	40000
5	शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय जबलपुर	40000		आयुर्वेद पंचकर्म टेक्नीशियन	23000
6	शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय इन्दौर	40000	45000	डी.फार्मा (आयुर्वेद)	47910
				पंचकर्म टेक्नीशियन	34604
7	शासकीय स्वशासी धनवन्तरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय उज्जैन	40000	45000		
				डिप्लोमा इन पैरामेडिकल	41530
8	शासकीय स्वशासी होम्योपैथिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय भोपाल	35000	45000	डिप्लोमा इन फार्मसी	41530
				डिप्लोमा इन योगा एवं नैचुरोपैथी	41530
9	हकीम सैय्यद ज़ियाउल हसन शासकीय स्वशासी यूनानी महाविद्यालय एवं चिकित्सालय भोपाल	35000	—	डिप्लोमा इन यूनानी फार्मसी	46570

नोट— उक्त फीस संरचना प्रवेश के समय प्रत्येक अभ्यर्थी पर लागू होगी साथ ही महाविद्यालय की कार्यकारिणी समिति द्वारा समय समय पर अनुमोदित अन्य शुल्क व संशोधन लागू होंगे।

4.5 आयुष महाविद्यालयों में प्रावधानित छात्रवृत्ति योजनाएँ (सत्र 2020–2021)

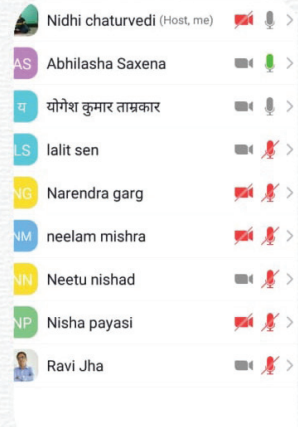
क्र.	महाविद्यालय का नाम	योजना का नाम	लाभार्थी संख्या	राशि
1	शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय ग्वालियर	विक्रमादित्य निःशुल्क शिक्षा योजना	4	157500
		ग्रीन कार्ड निःशुल्क शिक्षा योजना	1	37500
		पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति	94	4512546
2	शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय रीवा	विक्रमादित्य निःशुल्क शिक्षा योजना	13	417500
		ग्रीनकार्डधारी	2	75000
		पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति आवास सहायता	94	3888100
		पोस्ट मैट्रिक आवास	21	95250
		मेधावी विद्यार्थी योजना	7	377125
		NSP मनोरंटी	1	25000
		MPTASS	9	425300
3	प. शिवनाथ शास्त्री शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय बुरहानपुर	MPTASS (AWAS)	2	—
		पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना	17	811850
		मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना	5	346060
4	पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल	पोस्ट मैट्रिक अन्य पिछड़ा वर्ग	42	1993636
		पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति	48	2003970
		पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जन जाति	6	443100
		मुख्यमंत्री मेधावी छात्र छात्रवृत्ति	7	523425
		एम.पी.टास छात्रवृत्ति	13	601150
		मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना	1	81085

क्र.	महाविद्यालय का नाम	योजना का नाम	लाभार्थी संख्या	राशि
5	शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय जबलपुर	पोस्ट मेट्रिक एम.पी. टास्क	61	2561460
		मुख्यमंत्री मेधावी	17	988550
		विक्रमादित्य निःशुल्क शिक्षा योजना	5	200000
		आवास सहायता योजना	17	408000
6	शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय इन्दौर	मुख्यमंत्री मेधावी योजना	12	762485
		मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना (संबल)	2	90300
		अनुसूचित जाति	15	600500
		अनुसूचित जनजाति	14	583050
		अन्य पिछड़ा वर्ग	53	2009910
		अनुसूचित जाति	5	30000
		अनुसूचित जनजाति	10	124000
7	शासकीय स्वशासी धनवन्तरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय उज्जैन	पोस्टमैट्रिक छात्रवृत्ति (अजा)	37	1564100
		पोस्टमैट्रिक छात्रवृत्ति (अजजा)	38	1977350
		पोस्टमैट्रिक छात्रवृत्ति (अपिव)	59	2144320
		मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना	31	1791640
		मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना	1	27845
		मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति योजना	31	1888200
8	शासकीय स्वशासी होम्योपैथिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय भोपाल	ओ.बी.सी. छात्रवृत्ति योजना	92	3812851
		एस.सी. छात्रवृत्ति योजना	23	889950
		एस.टी. छात्रवृत्ति योजना	19	741200
		विक्रमादित्य निःशुल्क शिक्षा योजना	4	90000
		ग्रीन कार्ड छात्रवृत्ति योजना	3	100000
		संबल छात्रवृत्ति योजना	2	105200
		एम.पी.टास्क छात्रवृत्ति योजना	22	942900
		एस.टी. संवर्ग 2018 से प्रारंभ		

आयुष विभाग मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय आयुष मिशन



आयुष हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर



क्र.	महाविद्यालय का नाम	योजना का नाम	लाभार्थी संख्या	राशि
9	हकीम सैय्यद ज़ियाउल हसन शासकीय स्वशासी यूनानी महाविद्यालय एवं चिकित्सालय भोपाल	अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रवृत्ति	86	2964909
		मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति योजना	10	529575

4.6 संस्थावार मानव संसाधन (स्वीकृत, भरे एवं रिक्त पद)

शासकीय स्वशासी आयुष महाविद्यालयवार स्वीकृत पदों की जानकारी

क्र	पद की श्रेणी	आयु. भोपाल	होम्यो. भोपाल	यूनानी भोपाल	बुरहानपुर	ग्वालियर	इन्दौर	जबलपुर	रीवा	उज्जैन	योग
1	प्रथम श्रेणी	43	44	30	28	29	31	28	30	34	297
2	द्वितीय श्रेणी	71	41	34	28	50	37	29	54	46	390
3	तृतीय श्रेणी	187	60	57	40	133	53	41	98	117	786
4	चतुर्थ श्रेणी	121	58	83	32	114	57	35	82	96	678

शासकीय स्वशासी आयुष महाविद्यालयवार भरे पदों की जानकारी

क्र	पद की श्रेणी	आयु. भोपाल	होम्यो. भोपाल	यूनानी भोपाल	बुरहानपुर	ग्वालियर	इन्दौर	जबलपुर	रीवा	उज्जैन	योग
1	प्रथम श्रेणी	20	30	18	16	16	13	13	12	19	157
2	द्वितीय श्रेणी	16	21	20	5	36	35	19	10	15	177
3	तृतीय श्रेणी	60	44	32	17	42	34	25	24	41	319
4	चतुर्थ श्रेणी	36	45	49	12	38	33	17	18	44	292

शासकीय स्वशासी आयुष महाविद्यालयवार रिक्त पदों की जानकारी

क्र	पद की श्रेणी	आयु. भोपाल	होम्यो. भोपाल	यूनानी भोपाल	बुरहानपुर	ग्वालियर	इन्दौर	जबलपुर	रीवा	उज्जैन	योग
1	प्रथम श्रेणी	23	14	12	12	13	18	15	18	15	140
2	द्वितीय श्रेणी	55	20	14	23	14	2	10	44	31	213
3	तृतीय श्रेणी	127	16	25	23	91	19	16	74	76	467
4	चतुर्थ श्रेणी	85	13	34	20	76	24	18	64	52	386



भाग-5

आयुष स्वास्थ्य सेवाएं





आयुष चिकित्सालय –23

क्रमांक	जिला	आयुर्वेद	होम्योपैथी	कुल
1.	भोपाल	1	0	1
2.	होशंगाबाद	1	0	1
3.	बैतूल	1	0	1
4.	शिवपुरी	1	0	1
5.	मुरैना	1	0	1
6.	मण्डला	1	0	1
7.	खरगौन	1	0	1
8.	झाबुआ	1	0	1
9.	धार	1	1	2
10.	रतलाम	1	0	1
11.	मंदसौर	1	0	1
12.	सागर	1	0	1
13.	दमोह	1	0	1
14.	छतरपुर	1	0	1
15.	सीधी	1	0	1
16.	शहडोल	1	0	1
17.	सतना	1	0	1
18.	राऊ (जिला इन्दौर)	1	0	1
19.	तामिया एवं नवेगांव (छिन्दवाड़ा)	1	1	2
20.	बैहर (बालाघाट)	1	0	1
21.	लखनादौन (सिवनी)	1	0	1
योग				23

आयुष विंग-36

क्रमांक	जिला	आयुर्वेद	होम्योपैथी	कुल
1.	पन्ना	1	0	1
2.	देवास	1	0	1
3.	राजगढ़	1	0	1
4.	मण्डला	1	0	1

क्रमांक	जिला	आयुर्वेद	होम्योपैथी	कुल
5.	नीमच	1	0	1
6.	बालाघाट	1	0	1
7.	टीकमगढ	1	0	1
8.	शाजापुर	1	0	1
9.	शिवपुरी	1	0	1
10.	सीहोर	1	0	1
11.	रतलाम	1	0	1
12.	इंदौर	1	0	1
13.	होशंगाबाद	1	0	1
14.	दमोह	1	0	1
15.	श्योपुर	1	0	1
16.	सीधी	1	0	1
17.	सिवनी	1	0	1
18.	मंदसौर	1	0	1
19.	नरसिंहपुर	1	0	1
20.	जबलपुर	1	0	1
21.	छिन्दवाड़ा	1	0	1
22.	झाबुआ	1	0	1
23.	रायसेन	1	0	1
24.	दतिया	1	0	1
25.	बड़वानी	1	0	1
26.	डिण्डोरी	1	0	1
27.	हरदा	1	0	1
28.	गुना	1	0	1
29.	उज्जैन	1	0	1
30.	विदिशा	1	0	1
31.	खजुराहो (छतरपुर)	1	0	1
32.	भोपाल	0	5	5
कुल				36

आयुष औषधालय

क्रमांक	जिला	आयुर्वेद	होम्योपैथी	यूनानी	कुल
1.	भोपाल	10	9	7	26
2.	सीहोर	25	1	11	37
3.	विदिशा	32	1	3	36
4.	होशंगाबाद	32	7	2	41
5.	हरदा	15	2	0	17
6.	बैतूल	41	8	0	49
7.	रायसेन	15	2	14	31
8.	राजगढ़	40	3	1	44
9.	सागर	49	8	2	59
10.	पन्ना	19	1	1	21
11.	छतरपुर	31	1	0	32
12.	टीकमगढ़	27	8	0	35
13.	दमोह	37	4	0	41
14.	रीवा	59	6	1	66
15.	सीधी	49	8	0	57
16.	सतना	57	4	1	62
17.	सिंगरौली	14	0	0	14
18.	अनूपपुर	10	4	0	14
19.	उमरिया	10	1	0	11
20.	शहडोल	26	5	0	31
21.	उज्जैन	29	4	1	34
22.	देवास	32	4	1	37
23.	रतलाम	26	4	1	31
24.	शाजापुर	26	1	0	27
25.	मंदसौर	37	2	0	39
26.	नीमच	24	2	1	27

क्रमांक	जिला	आयुर्वेद	होम्योपैथी	यूनानी	कुल
27.	आगर मालवा	11	0	1	12
28.	इन्दौर	20	3	2	25
29.	धार	42	7	0	49
30.	झाबुआ	26	5	1	32
31.	खरगोन	33	2	0	35
32.	खण्डवा	20	4	1	25
33.	बड़वानी	22	4	0	26
34.	बुरहानपुर	7	3	2	12
35.	अलीराजपुर	20	5	0	25
36.	ग्वालियर	25	7	1	33
37.	भिण्ड	47	10	0	57
38.	मुरैना	35	4	0	39
39.	दतिया	19	3	0	22
40.	गुना	20	3	1	24
41.	अशोकनगर	14	3	0	17
42.	शिवपुरी	32	6	1	39
43.	श्यापुर	15	2	2	19
44.	छिन्दवाड़ा	62	9	2	73
45.	जबलपुर	34	6	1	41
46.	कटनी	34	2	0	36
47.	सिवनी	42	6	0	48
48.	नरसिंहपुर	63	4	0	67
49.	मण्डला	20	9	1	30
50.	बालाघाट	50	6	1	57
51.	डिण्डोरी	11	0	0	11
		1496	213	64	1773



आयुष हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर- 362

क्रमांक	जिला	एच.डब्ल्यू.सी. संख्या
1	श्यापुर	2
2	मुरैना	14
3	भिण्ड	11
4	ग्वालियर	5
5	दतिया	6
6	शिवपुरी	10
7	गुना	9
8	अशोकनगर	5
9	सागर	11
10	टीकमगढ़	6
11	छतरपुर	13
12	दमोह	9
13	पन्ना	8
14	सतना	11
15	रीवा	12
16	सीधी	9
17	सिंगरौली	5
18	शहडोल	3
19	अनूपपुर	4
20	उमरिया	5
21	कटनी	11
22	जबलपुर	11
23	डिण्डौरी	3
24	मण्डला	4
25	बालाघाट	21

क्रमांक	जिला	एच.डब्ल्यू.सी. संख्या
26	सिवनी	7
27	नरसिंहपुर	6
28	छिन्दवाड़ा	9
29	बैतूल	10
30	हरदा	2
31	होशंगाबाद	5
32	रायसेन	4
33	विदिशा	5
34	भोपाल	3
35	सीहोर	10
36	राजगढ़	6
37	आगरमालवा	2
38	शाजापुर	2
39	देवास	11
40	खण्डवा	8
41	बुरहानपुर	3
42	खरगौन	9
43	बड़वानी	5
44	अलीराजपुर	4
45	झाबुआ	3
46	धार	8
47	इन्दौर	5
48	उज्जैन	13
49	रतलाम	4
50	मंदसौर	7
51	नीमच	3
	कुल —	362

5.5 आयुष प्रशिक्षण केंद्र –

क्र.	शासकीय
1.	शासकीय महिला आयुर्वेद स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र, राऊ, इन्दौर
2.	शासकीय महिला आयुर्वेद स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र, कोलारस, शिवपुरी

5.6 विभागीय क्षेत्रीय कार्यालय –

क्र	संभाग	जिला
1	भोपाल	भोपाल, रायसेन, बैतूल, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, होशंगाबाद, हरदा
2	ग्वालियर	ग्वालियर, गुना, मुरैना, श्योपुर, भिण्ड, शिवपुरी, दतिया, अशोकनगर
3	इन्दौर	इंदौर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, खरगौन, बड़वानी, खण्डवा, बुरहानपुर
4	जबलपुर	जबलपुर, कटनी, मण्डला, डिण्डोरी, सिवनी, बालाघाट, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा
5	रीवा	रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया
6	सागर	सागर, दमोह, छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़
7	उज्जैन	उज्जैन, शाजापुर, नीमच, मंदसौर, रतलाम, देवास, आगर-मालवा





भाग-6

विभागीय विशिष्ट योजनाएं एवं कार्यक्रम





6.1 वैद्य आपके द्वार (आयुष टेलीमेडिसिन)

आज के इस सूचना प्रौद्योगिकी के युग में चिकित्सा विज्ञान, इंजीनियरिंग का समन्वय रूप टेलीमेडिसिन है। आयुष विभाग द्वारा आमजन को आयुष स्वास्थ्य सेवा सहजता से घर पर ही सुलभ कराने के उद्देश्य से वैद्य आपके द्वार योजनांतर्गत 'आयुष क्योर एप' विकसित किया है। इस एप के माध्यम से घर बैठे निःशुल्क लाइव वीडियो कॉल पर आयुष चिकित्सा विशेषज्ञों से परामर्श लेने की सुविधा उपलब्ध कराई है।

एप पर आमजन अपना पंजीयन कराकर सुविधानुसार आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं यूनानी चिकित्सा पद्धति का चयन कर सकता है। पंजीयन पश्चात् चिकित्सक से वीडियो कॉल के माध्यम से चिकित्सा परामर्श प्राप्त कर सकता है। वर्तमान में गूगल प्ले स्टोर से 37,771 एप डाउनलोड किये जा चुके हैं।

कोविड महामारी काल में चिकित्सा क्षेत्र में विशेष सुविधा हेतु आयुष क्योर एप को राष्ट्र स्तरीय "स्कॉच अवार्ड" भी प्रदान किया गया है।

6.2 केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद की इकाई

शासकीय स्वाशासी होम्योपैथी महाविद्यालय परिसर में सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन योग एंड नेचुरोपैथी वेलनेस सेंटर अक्टूबर 2017 से संचालित है यह भारत सरकार से शतप्रतिशत वित्त पोषित है इस केन्द्र में जीर्ण एवं समग्र जीवन शैली से संबंधित बीमारियों का गहन उपचार की सुविधा उपलब्ध है। इस केन्द्र में प्राकृतिक उपचार एक्यूप्रेशर योग चिकित्सा एवं आहार से संबंधित अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस वर्ष फरवरी-2022 तक 6500 से अधिक रोगियों को लाभ प्रदान किया गया है।

6.3 आयुष आपके द्वार:-

आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत आयुष विभाग द्वारा औषधीय पौधों का वितरण किया गया जिसमें प्रत्येक जिले में उद्यानिकी विभाग के सहयोग से लगभग 1500 परिवारों को जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में औषधीय पादप वितरित किये गये। इस योजनांतर्गत राज्य में 43700 परिवारों को औषधीय पौधे वितरित किये गये।

6.4 योग से निरोग कार्यक्रम

- माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा कोविड संक्रमण के समय दिनांक 23.04.2021 को योग से निरोग कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम को आयुष विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, इण्डियन योग एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया गया।
- योग से निरोग कार्यक्रम के अंतर्गत होम आईसोलेशन में रह रहे कोविड संक्रमित व्यक्तियों एवं पोस्ट कोविड व्यक्तियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बनाये रखने के लिये उनको ऑनलाईन योगाभ्यास कराया जाता है।
- कोरोना संक्रमण काल में 1 लाख 87 हजार कोविड संक्रमितों को ऑनलाईन योग प्रशिक्षकों द्वारा योगाभ्यास कराया गया। इस कार्यक्रम को विभाग द्वारा निरंतर संचालित किया जा रहा है।




आयुष विभाग मध्यप्रदेश शासन

प्रारंभ

“वैद्य आपके द्वार योजना”

अन्तर्गत घर बैठे आयुष
(आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी) चिकित्सा विशेषज्ञ
से लाईव विडियो कॉल द्वारा चिकित्सा परामर्श लें।



AyushQure

गूगल प्ले स्टोर से AyushQure एप
डाउनलोड कर इस सुविधा का लाभ लें।







योग से निरोग





श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



श्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

कार्यक्रम के अन्तर्गत
कोविड-19 के होम आइसोलेटेड,
कोविड केयर सेंटर पर भर्ती और
स्वस्थ हुए मरीजों तथा योग प्रशिक्षकों से



गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर जी



योगगुरु स्वामी रामदेव जी



इंडियन योग एसोसिएशन का विशेष सहयोग

गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर जी
और
योग गुरु स्वामी रामदेव जी
एवं
श्री शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
करेंगे

संवाद

**ऑनलाइन
संवाद**

21 मई, 2021
दोपहर 12:00 बजे

लिंक :

<https://webcast.gov.in/mp/cmevents>

आयुष विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग
मध्यप्रदेश शासन

के माध्यम से कार्यक्रम में जुड़ने के लिए आप सभी आमंत्रित हैं।

सहयोगी संस्थाएँ:



LIVE STREAMING

DDMP

@cmhmp @jansampark

एवं क्षेत्रीय न्यून वेबल पर प्रसारण

#MPFightsCorona

आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर जी
के अनमोल वचन:

“

शिवराज जी आप, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में कोरोना के विरुद्ध प्रभावी कार्य कर रहे हैं। आप एलोपैथी के साथ परंपरागत योग, प्राणायाम और आयुर्वेद के माध्यम से जो प्रयास कर रहे हैं, वह अभिनंदनीय है।

21 मई 2021
योग से निरोग
कार्यक्रम
स्वस्थ हुए
मरीजों तथा
योग प्रशिक्षकों
से संवाद।



www.shivraj.mp | f /ChouhanShivraj | /ChouhanShivrajsingh



6.5 राज्य औषधीय पादप बोर्ड—

आयुष विभाग अंतर्गत राज्य औषधीय पादप बोर्ड का पंजीयन किया गया है।

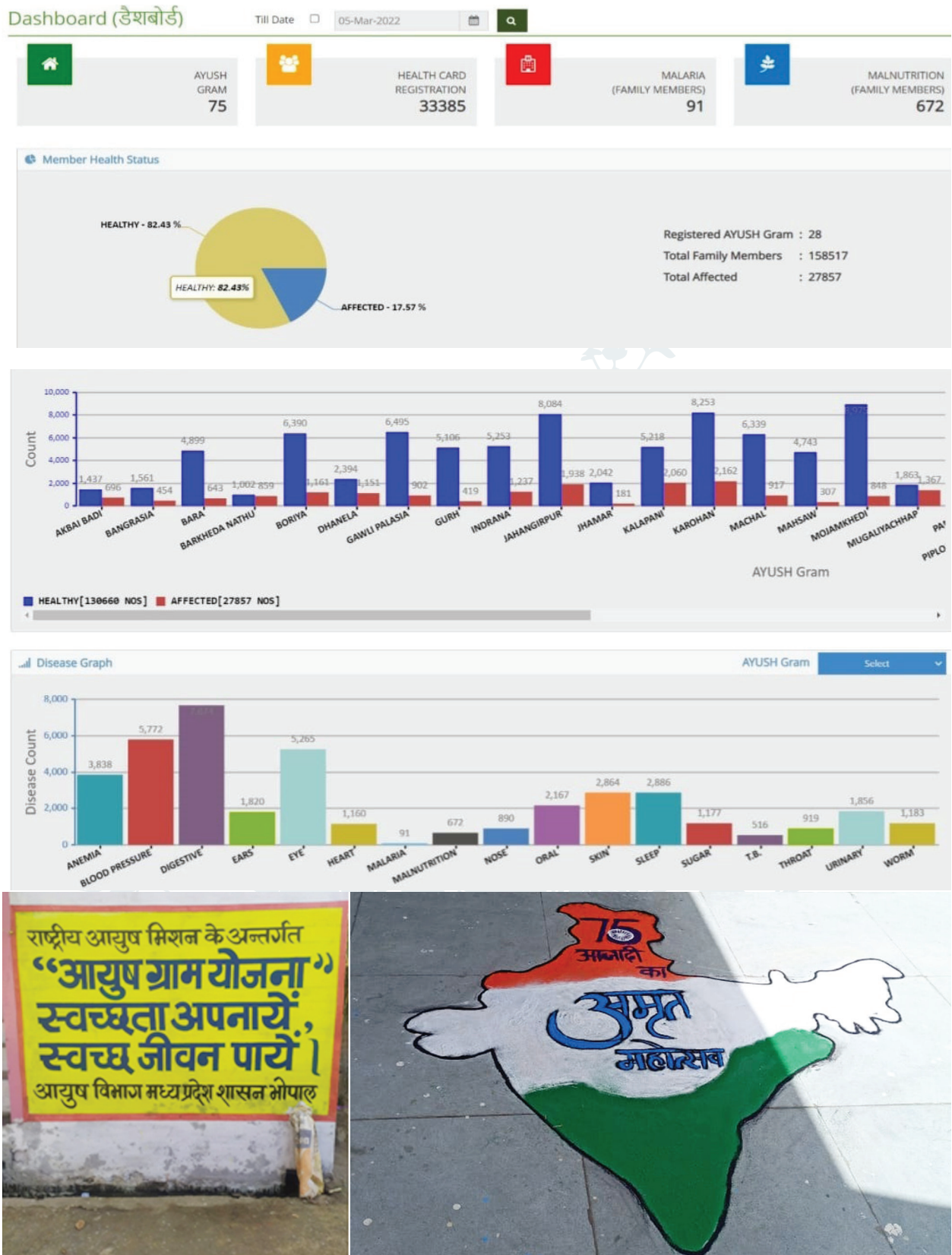
1. औषधीय पादप जो आयुष चिकित्सा पद्धतियों की अखंडता, गुणवत्ता, प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा की कुंजी हैं, उन्हें कृषि प्रणालियों में शामिल करके, उनकी कृषि को बढ़ावा देना जिससे किसानों को फसल विविधता का एक विकल्प मिलेगा और उनकी आमदनी बढ़ेगी।
2. मानकीकरण तथा गुणवत्ता आश्वासन को बढ़ावा देने के लिए अच्छी कृषि एवं संग्रहण अभ्यासों (जीएसीपी) का अनुकरण करते हुए कृषि करना जिससे आयुष पद्धतियों की वैश्विक स्तर पर स्वीकार्यता में वृद्धि होगी।
3. कृषि अभिसरण, भंडारण, मूल्यवर्धन एवं विपणन के माध्यम से प्रसंस्करण समूहों की स्थापना को सहायता देना।
4. राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, एवं सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में औषधियों के अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना।
5. औषधीय पादपों की कृषि एवं गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रोटोकॉल बनाना।

औषधीय पादपों के पेटेंट अधिकारों के संरक्षण को प्रोत्साहित करना एवं आईपीआर (Intellectual Property Rights) को बढ़ावा देना।

मुख्य कार्यकलाप

1. औषधीय पौधों की खेती के लिए तकनीकी सहयोग प्रदान करना।
2. बाह्यस्थाने/स्वस्थाने (Exsitu/Insitu) संरक्षण को बढ़ावा देना।
3. औषधीय एवं सुगंधित पौधों की मांग एवं आपूर्ति की स्थिति का निर्धारण।
4. औषधीय एवं सुगंधित पौधों से संबंधित अनुसंधान/शोध एवं विकास की योजनाओं को बढ़ावा देना।
5. औषधीय एवं सुगंध पौधों का संग्रहण एवं परिमार्ण।
6. औषधीय पौधों के मार्केट लिंकेज तैयार करना।
7. खेती एवं गुणवत्ता नियंत्रण के लिए प्रोटोकाल विकसित करना।
8. औषधीय उत्पादों एवं संग्रहणकर्ताओं के सहयोगी प्रयासों को बढ़ाना एवं उनके उत्पाद के बेहतर भंडारण, परिवहन एवं विपणन में सहायता करना।
9. उत्पाद का सूचीकरण एवं प्रचार प्रसार के लिए डाटाबेस तैयार करना।
10. मूल्य संवर्धित उत्पाद हेतु तकनीकी मार्गदर्शन, वैज्ञानिक तकनीकी अनुसंधान एवं प्रभावकारिता का अध्ययन।
11. पेटेंट के अधिकारों एवं बौद्धिक संपदा अधिकार की सुरक्षा को प्रोत्साहन देना।
12. निजी एवं व्यक्तिगत हर्बल गार्डन का विकास करना।
13. औषधीय पौधों की खेती के सम्बन्ध में उपयुक्त विकास करना। प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना। प्रचार-प्रसार प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन हेतु सहभागिता करना।
14. क्षेत्रीय, राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय वर्कशाप, सेमिनार, प्रशिक्षण सत्र एवं भ्रमण कार्यक्रम आयोजित करना।

आयुष ग्राम अंतर्गत स्वास्थ्य स्तर का रिकार्ड:-



15. प्रदेश में औषधीय पौधों की उन्नत खेती के लिए निजी क्षेत्र की सहभागिता से परियोजना तैयार करना तथा राज्य बोर्ड से अनुमोदन उपरान्त राष्ट्रीय बोर्ड को भेजना।
16. प्रदेश में औषधीय पौधों, सुगंधित पौधों एवं जड़ी बूटियों के विकास से संबंधित अन्य अनुषांगिक गतिविधियों का क्रियान्वयन।
17. कार्यकलापों को चालू रखने, उनका उपयुक्त हिसाब रखने और संबंधित एजेंसियों को उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के लिए राज्य सरकार से निधियां प्राप्त करना।
18. विभिन्न समूहों के लिए उत्तरदायी एसएचजी, पादप उगाने वाली सहकारिताओं, पादप उगाने वाली एसोसिएशनों, उत्पादक कंपनियों के कार्यक्रमों के कार्यान्वयन का निरीक्षण, अनुवीक्षण और पुनरीक्षण करना।
19. कृषकों, सोसायटियों, गैर सरकारी संगठनों, पादप उगाने वाले एसोसियशनों, स्वसहायता दलों, राज्य-संस्थाओं और ऐसे ही संस्थाओं के माध्यम से औषधीय पादपों को उगाने हेतु अनुकूल कृषि जलवायु के संदर्भ में चुने गये विभिन्न समूहों के कार्यान्वयन में सहायता करना और निरीक्षण करना।

6.6 देवारण्य योजना

म. प्र. का 31 प्रतिशत क्षेत्र (94689 वर्ग किमी.) तथा संपूर्ण भारत के कुल वन का 12.27 प्रतिशत क्षेत्र वन आच्छादित है। राज्य सरकार द्वारा आदिवासी क्षेत्रों में रोजगार पैदा करने और आजीविका को पैदा करने हेतु आयुष आधारित परिकल्पना तंत्र विकसित करने के लिए 'देवारण्य योजना' के क्रियान्वयन की परिकल्पना की गयी है। योजना का मुख्य उद्देश्य स्थानीय आबादी द्वारा आयुष प्रणाली से प्रदान की जाने वाली निवारक, उपचारात्मक, पुनर्वास एवं उपशामक सेवाओं का अधिकतम लाभ उठाना है।

माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा देवारण्ययोजना की घोषणा दिनांक 15.08.2021 को की गयी।

उद्देश्य:-

- प्रदेश में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध प्रत्येक प्रकार के औषधीय पादप की पहचान, उनका संरक्षण, वैज्ञानिक रूप से धारणीय दोहन एवं संग्रहण प्रणाली विकसित करना।
- प्रत्येक चयनित ग्राम में औषधीय एवं सुगंधित पादप (Medicinal & Aromatic Plants (MAPs) की कृषि हेतु भूमि एवं पात्र हितग्राही का चयन करना।
- MAPs की खेती के हेतु क्षेत्र के कृषकों को फसल विविधीकरण हेतु प्रोत्साहित करना।
- MAPs की खेती के माध्यम से क्षेत्र के कृषकों का आर्थिक उन्नयन।
- स्वयं सहायता समूह (SHGs, JFMCs, NGOs, CSOs) की सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित करना ताकि किसानों एवं स्थानीय उद्यमियों को प्रेरित कर नया फसल पैटर्न विकसित किया जा सके जिससे विपणन योग्य अधिशेष और मूल्य श्रृंखला का निर्माण हो सकेगा।



6.7 आयुष ग्राम

भारत सरकार की राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना के अंतर्गत म.प्र. शासन के आयुष विभाग द्वारा चयनित 75 ग्रामों में आयुष ग्राम की स्थापना की गई। इस योजना का उद्देश्य आयुष चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से ग्रामीण जन के स्वास्थ्य को उत्तम बनाये रखना है। इस योजना में निम्न कार्य किये जा रहे हैं:-

स्वास्थ्य स्तर का रिकार्ड:-

- (i) प्रत्येक आयुष ग्राम की समस्त जनसंख्या का स्वास्थ्य पत्रक तैयार कराया जा कर स्वास्थ्य सर्वेक्षण कर सर्वे के रिकार्ड का डाटाबेस सॉफ्टवेयर में दर्ज किया गया।
- (ii) इसके विश्लेषण के आधार पर ग्राम की स्वास्थ्य स्तर की रिपोर्ट तैयार कर ग्राम की स्वास्थ्य संबंधी भविष्य की कार्य योजना (स्वास्थ्य शिविर, औषधि वितरण) निर्धारित की जा रही है। प्रत्येक आयुष ग्राम को कुपोषण, रक्तचाप एवं मलेरिया मुक्त बनाना भी प्रमुख उद्देश्य है। इसके साथ ही गर्भवती महिला एवं शिशु देखभाल संबंधी जागरूकता प्रदान की जा रही है।

स्वास्थ्य योजनाओं का क्रियान्वयन:-

कुपोषण अभियान, एनिमिया, परिवार कल्याण एवं टीकाकरण आदि स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं में सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

योग एवं जागरूकता शिविर का आयोजन:-

205 योग शिविरों में करीब 40 हजार ग्रामीणजनों ने भाग लिया एवं आयुष चिकित्सा पद्धतियों में वर्णित आहार आदतों तथा जीवन शैलियों, एवं मौसमी बीमारियों और उनकी रोकथाम आदि के प्रति जागरूक किया गया।

6.8 आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश में आयुष का योगदान

क्र	आउटकम	आउटपुट	गतिविधि	एक्टिविटी प्रारंभ	सब एक्टिविटी	समय सीमा में प्रारंभ
	05	06	31	71	111	98-61

क्र	आउटकम इंडिकेटर	समय - सीमा एवं गतिविधि			
		मार्च 2021	मार्च 2022	मार्च 2023	मार्च 2023
1	यूनिवर्सल स्वास्थ्य कवरेज	3 पूर्ण	3 पूर्ण	—	—
2	स्वास्थ्य - शिक्षा संस्थाओं सुदृढीकरण एवं उन्नयन	3 पूर्ण	2 95% पूर्ण	2	4
3	सरकारी विभागों का पुनर्गठन और बेहतर सेवा वितरण - समन्वय तंत्र निर्माण	1 पूर्ण	1 50% पूर्ण	1	1
4	स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा -अनुकूल परिस्थिति की तंत्र बनाना	2 पूर्ण	2 पूर्ण	2	—
5	बीमारियों की रोक थाम और शीघ्र निदान पर जोर	2 पूर्ण	2 70% पूर्ण	—	—





त्रिकटु काढ़ा वितरण
ग्राम जिगना



आयुष विभाग, मध्यप्रदेश



जीवन अमृत योजना

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का आयुर्वेदिक त्रिकटु काढ़ा



श्री नरेन्द्र मोदी जी, मान. प्रधानमंत्री



श्री शिवराज सिंह चौहान जी, मान. मुख्यमंत्री

इस योजना में शासन द्वारा प्रदेश के सभी परिवारों को आयुर्वेदिक त्रिकटु चूर्ण का पैकेट में वितरित किया जावेगा।

सामान्य उपाय

- व्यक्तिगत स्वच्छता बनाये रखें।
- साबुन और पानी से अपने हाथों को कम से कम 20 सेकेंड तक धोयें।
- बिना धोयें हाथों से अपनी आँखें, नाक और मुँह छूने से बचें।
- संक्रमण से बचने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर यात्रा करते समय या काम करते समय मास्क को उचित प्रकार से नाक और मुख को ढकते हुये उपयोग करें।
- दिन में 2 बार गर्म भाप जरूर लें।
- सर्दी व खांसी के मरीज साफ सुथरा रुमाल रखें और रोज बदलें।
- पानी खूब पीयें तथा पौष्टिक आहार का सेवन करें।
- स्वस्थ आहार और जीवन शैली के माध्यम से रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ायें।
- बीमार होने पर घर पर रहें, जो लोग बीमार हैं उनके निकट सम्पर्क से बचें।
- बुखार होने पर तत्काल फीवर क्लीनिक में दिखावें एवं आवश्यक होने पर कोरोना संक्रमण की जाँच करवायें।

आयुष चिकित्सा परामर्श एवं औषधि प्राप्त करने के लिए अपने समीप के आयुर्वेदिक महाविद्यालय चिकित्सालय/ आयुष चिकित्सालय/ आयुष औषधालय में संपर्क करें। आयुष चिकित्सा परामर्श के बाद ही उपरोक्त दवाइयाँ प्रयोग करें।

आयुष अपनाये स्वस्थ जीवन पायें







भाग-7
पंजीयन बोर्ड एवं
परिषद





7.1 मध्यप्रदेश आयुर्वेद, यूनानी तथा प्राकृतिक चिकित्सा बोर्ड भोपाल:-

स्थापना — 24 अप्रैल, 1971

बोर्ड के कार्य — आयुर्वेद, यूनानी एवं प्राकृतिक चिकित्सा व्यवसायियों का पंजीकरण।

मध्यप्रदेश आयुर्वेद, यूनानी तथा प्राकृतिक चिकित्सा बोर्ड में पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायियों की संख्या (21.12.2021 तक) —	50,394
संस्थागत आयुर्वेद —	16002
गैर संस्थागत आयुर्वेद —	32731
संस्थागत यूनानी —	2261
गैर संस्थागत यूनानी —	84
प्राकृतिक चिकित्सा —	106
अनुभव के आधार पर सूचीबद्ध चिकित्सक	5971

7.2 मध्यप्रदेश होम्योपैथी परिषद भोपाल :-

स्थापना वर्ष — मार्च, 1976

परिषद के कार्य — होम्योपैथी चिकित्सा व्यवसायियों का पंजीकरण।

पंजीकृत चिकित्सकों की संख्या	20,964
------------------------------	--------



भाग-8

आयुष औषधि निर्माण एवं गुणवत्ता परीक्षण





मुख्यमंत्री पहुंचे कोविड कमांड सेंटर: अलग-अलग सर्किल का प्रजेंटेशन देखा, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये होम आइसोलेट मरीजों से पूछा हाल

सीएम ने पूछा- प्राणायाम शुरू किया, दवा मिली या नहीं, महिला बोली- हां, आराम है

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल, राजधानी अलार्मिक होने से पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार रात अचानक स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन में स्थित कोरोना कमांड सेंटर पहुंचे।

उन्होंने होम आइसोलेट के मरीजों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बात की। उनसे पूछा कि दवा मिल रही है या नहीं, उपर से जवाब मिला कि दवा समय पर मिल गई। इस मौके पर कोलेक्टर अजितनाथ लखनिया ने आई सार पर मरीजों की संख्या का प्रजेंटेशन प्रस्तुत कर बताया कि शहर में संक्रमण दर लगातार कम हो रही है। जहां होम आइसोलेट में मरीज ज्यादा हैं, संक्रमण भी ज्यादा है। बाइस टीम और बुद्ध भी मौके पर जाकर लोगों से चर्चा कर रहे हैं।

भोपाल का प्रजेंटेशन देखा, कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की



कोविड कमांड सेंटर में कार्यरत कर्मचारियों से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चर्चा की।

हमें स्वस्थ करने में डॉक्टरों का बड़ा योगदान है...

मुख्यमंत्री: होम आइसोलेट में प्रणाम शुरू किया या नहीं? बराबर फोन करते हैं यहां से?

दीपिका: जी, स्मार्ट सिटी से फोन आते हैं। ऑक्सीजन का लेवल रोज पूछते हैं। दवा भी समय पर आई या नहीं, इसकी जानकारी की जाती है। अब आराम है। हमें स्वस्थ करने में यहां के डॉक्टरों का बड़ा योगदान है।

मुख्यमंत्री: मेडिकल समय पर मिली या नहीं, प्रणाम से लेंस की कैमरेस्टि बढ़ती है। आप करते हैं या नहीं, समय कैसे कटता है?

शांतक जैन: सर, योग से काफी समय कट जाता है। सुबह की सक्ल में ही नहीं, बल्कि पूरा परिवार वीडियो के माध्यम से दूसरे कमरे में योग करता है। मैं अब काफी स्वस्थ हो चुका हूँ। ऑक्सीजन लेवल भी ठीक जा रहा है।

मुख्यमंत्री: आपको वीडियो कॉल के दौरान कोई परेशानी से नहीं हुई, प्रोटीन डाइट ले रहे हैं या नहीं?

धन्यम गुप्त: जी, कोई परेशानी नहीं हुई। डॉक्टरों द्वारा बाईस आई प्रोटीन डाइट लेने से स्वस्थ मैं काफी सुधार हुआ है।

इधर मंत्री सारंग साइकिल पर निकले



विधिवत विहाल मंत्री सारंग साइकिल पर निकले। इस दौरान उन्होंने होम आइसोलेट मरीजों से बात की और लोगों को कोरोना महामारी का फैलाने के लिए प्रेरित किया।

कलेक्टर ने दिखाया प्रजेंटेशन

निकले के कोविड प्रवर्ती और मंत्री सारंग साहसबुधे ने मुख्यमंत्री को बताया कि मेडिकल टीम के संबंध में वे खुद अधिकारियों के साथ मौके पर जाकर लोगों से बात करते

हैं। भोपाल का प्रजेंटेशन देखा सीएम ने प्रयासों की सराहना की। स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन प्रवर्ती डॉ. संगीता टांक की प्रशंसा करते हुए साइकिलोइजिट टीम से बात की।





8.1 शासकीय आयुर्वेद फार्मसी, ग्वालियर

फार्मसी का नाम	औषधि निर्माण की राशि रुपये
शासकीय आयुर्वेद फार्मसी, ग्वालियर	8821584

8.2 शासकीय यूनानी फार्मसी, भोपाल

फार्मसी का नाम	औषधि निर्माण की राशि रुपये
शासकीय यूनानी फार्मसी, भोपाल	5081004

8.3 ड्रग टेस्टिंग लेबोरेटरी, ग्वालियर में कुल परीक्षण किये गये सैंपल की जानकारी:— 334

8.4 निजी क्षेत्र की औषधि निर्माण शालाओं की जानकारी :—

As on 01-04-2021

System	Category	Govt	Non Govt.	Total
Ayurved	GMP Compliant Units	01	749	750
Uanani	GMP Compliant Units	01	08	09
Sidha	GMP Compliant Units	00	00	00
Homeopathy	GMP Compliant Units	00	20	20
Total	GMP Compliant Units	02	777	779

Number of licensed pharmacies holding Loan Licenses- 97



भाग-9

एन.आर.एच.एम. में आयुष की भूमिका





9.1 संविदा आयुष चिकित्सक एवं आयुष फार्मासिस्ट

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत कार्यरत संविदा आयुष चिकित्सकों
एवं फार्मासिस्टों की जिलेवार स्थिति

क्र.	जिले का नाम	आयुर्वेद		होम्योपैथी		यूनानी		कुल चिकित्सक	कुल फार्मा.	कुल योग चिकित्सक / फार्मा.
		डॉक्टर	फार्मा.	डॉक्टर	फार्मा.	डॉक्टर	फार्मा.			
1	रीवा	9	7	3	1	0	0	12	8	20
2	सिंगरौली	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	सीधी	0	2	1	1	0	0	1	3	4
4	सतना	9	2	5	2	1	0	15	4	19
5	उमरिया	0	0	1	0	0	0	1	0	1
6	डिण्डोरी	2	1	2	0	0	0	4	1	5
7	शहडोल	4	1	0	0	0	0	4	1	5
8	अनुपपुर	2	0	2	2	0	0	4	2	6
9	जबलपुर	6	2	11	0	1	0	18	2	20
10	कटनी	0	0	4	1	0	0	4	1	5
11	छिन्दवाडा	3	0	10	2	0	0	13	2	15
12	सिवनी	7	2	3	0	0	0	10	2	12
13	मण्डला	2	1	4	2	0	0	6	3	9
14	बालाघाट	4	6	14	7	0	0	18	13	31
15	नरसिंहपुर	1	1	1	0	0	0	2	1	3
16	सागर	4	0	6	0	0	0	10	0	10
17	दमोह	2	1	2	0	0	0	4	1	5
18	पन्ना	1	1	0	0	0	0	1	1	2
19	छतरपुर	3	0	5	3	0	0	8	3	11
20	टीकमगढ़	7	5	4	4	0	0	11	9	20
21	ग्वालियर	6	1	10	2	0	0	16	3	19
22	शिवपुरी	3	1	2	0	0	0	5	1	6
23	गुना	1	2	2	0	0	0	3	2	5
24	अशोकनगर	2	0	0	0	0	0	2	0	2
25	दतिया	5	2	1	0	0	0	6	2	8
26	श्यामपुर	1	1	0	0	0	0	1	1	2



क्र.	जिले का नाम	आयुर्वेद		होम्योपैथी		यूनानी		कुल चिकित्सक	कुल फार्मा.	कुल योग चिकित्सक / फार्मा.
		डॉक्टर	फार्मा.	डॉक्टर	फार्मा.	डॉक्टर	फार्मा.			
27	मुरैना	8	4	1	1	0	0	9	5	14
28	भिण्ड	2	0	2	2	0	0	4	2	6
29	इन्दौर	5	1	19	1	2	0	26	2	28
30	धार	6	7	5	0	0	0	11	7	18
31	अलीराजपुर	2	0	1	1	0	0	3	1	4
32	झाबुआ	1	1	4	1	0	0	5	2	7
33	खरगौन	6	6	2	0	0	0	8	6	14
34	बड़वानी	3	1	4	1	1	0	8	2	10
35	खण्डवा	2	1	1	0	3	0	6	1	7
36	बुरहानपुर	1	1	1	0	6	0	8	1	9
37	उज्जैन	1	0	6	1	0	0	7	1	8
38	शाजापुर	1	0	3	0	0	0	4	0	4
39	मंदसौर	1	0	1	0	0	0	2	0	2
40	रतलाम	1	1	1	2	0	0	2	3	5
41	देवास	2	0	3	1	2	0	7	1	8
42	नीमच	1	1	0	0	0	0	1	1	2
43	आगर मालवा	0	0	1	0	0	0	1	0	1
44	भोपाल	7	2	7	5	4	1	18	8	26
45	सीहोर	7	0	8	6	2	0	17	6	23
46	रायसेन	5	1	6	2	4	0	15	3	18
47	राजगढ़	2	2	1	4	2	0	5	6	11
48	विदिशा	4	0	4	2	6	0	14	2	16
49	बैतूल	7	1	5	2	0	0	12	3	15
50	होशंगाबाद	5	0	6	1	1	0	12	1	13
51	हरदा	2	0	2	0	0	0	4	0	4
कुल		166	69	187	60	35	1	388	130	518

नानपुर में रोग निदान शिविर 138 रोगियों का परीक्षण कर निःशुल्क औषधि वितरित की



शिविर में चेकअप करते हुए डॉक्टर।

आलीराजपुर @ पत्रिका. प्रमुख सचिव आयुष विभाग मध्यप्रदेश के आदेश के परिपालन में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह तोमर एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. एनएस वास्केल के निर्देशन में शासकीय आयुर्वेदिक औषधालय सेजगांव एवं कदवाल द्वारा नानपुर में रोग निदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कोरोना गाइड लाइन का पालन करते हुए आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक के कुल 138 रोगियों का परीक्षण कर निःशुल्क औषधि वितरित की गई। शिविर का संचालन आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. वरुण सराफ, होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. जितेंद्र मकवाने, आयुष सीएचओ डॉ. विजय कन्नौज द्वारा किया गया। पैरामेडिकल स्टाफ का भी सराहनीय सहयोग रहा।

आयुष क्यू ऐप की दी जानकारी

शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी शिवकली वरवडे एवं सुपरवाइजर कविता बघेल की उपस्थिति में कुपोषित बच्चों का भी परीक्षण कर औषधि प्रदान की गई। शिविर में वात रोगी, त्वचा विकार, स्त्री रोग, अतिसार कास, प्रतिश्याय, उच्च रक्तचाप, बाल रोगी, अम्लपित्त, अरुचि, अश्मरी सहित अन्य रोग का परीक्षण कर औषधि का वितरण किया गया। चिकित्सा के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आर्सेनिक एल्बम एवं त्रिकूट चूर्ण का वितरण कर जनसामान्य को औषधिय पौधों एवं साथ ही आयुष क्यू ऐप की जानकारी भी दी गई।

भाग-10

बजट प्रावधान एवं व्यय की जानकारी





वर्ष 2019-20, 2020-21 एवं 2021-22 बजट प्रावधान एवं व्यय की जानकारी

मॉग संख्या - 38 - 2210 आयुष विभाग

(राशि हजारों में)

क्र	योजना	बजट प्रावधान 2019-20	व्यय दिनांक 31.03.2020	बजट प्रावधान 2020-21	व्यय दिनांक 31.03.2021	बजट प्रावधान 2021-22	व्यय दिनांक 31.12.2021 तक
1	6105 - पेंशनर्स को दवाईयों की सुविधा	7710	5638	9100	6675	7320	4488
2	6737 - ग्रीनकार्ड धारी छात्रों हेतु छात्रवृत्ति	280	272	00	00	00	00
3	0460 - आयुर्वेद चिकित्सालय एवं औषधालय	2301157	2224827	2396298	2282675	2639974	1912138
4	0461 - आयुर्वेद प्रशासन का सुदृढीकरण	183876	176103	195551	173358	212691	139057
5	1220 - स्व. पं. उद्धव दास मेहता वैद्य शास्त्री आयुर्वेद सेवा सम्मान पुरस्कार	164	00	600	00	320	30
6	1277 -राष्ट्रीय मिशन आफ आयुष मेडिसिनल प्लांट मिशन सहित	1063800	945991	1066599	138345	358800	217201
7	4194 - शासकीय आयुर्वेद फार्मसी एवं डिपो	63657	38237	43020	37272	57440	26716
8	4286 - संचालक आयुर्वेद प्रशासन	98144	68666	81296	66548	83437	48721
9	5559 - ड्रग कन्ट्रोलर (आयुष) कार्यालय	7160	4589	8678	7216	8709	5046
10	5560 - महिला स्वा. कार्य. प्रशि. केन्द्र	3094	3007	3354	3206	3785	2678
11	6638 - एलोपैथी चिकित्सालय में आयुष विंग	63075	57629	64944	59784	69360	52853
12	6639 - नवीन आयुष औष. की स्थापना	46846	43771	00	00	00	00
13	7762 - रोग नियंत्रण कार्यक्रम	7276	5092	6601	4867	5441	4326

क्र	योजना	बजट प्रावधान 2019-20	व्यय दिनांक 31.03.2020	बजट प्रावधान 2020-21	व्यय दिनांक 31.03.2021	बजट प्रावधान 2021-22	व्यय दिनांक 31.12.2021 तक
14	7892 — चिकित्सा गारंटी योजना	3346	1211	4000	1379	4480	1428
15	4810 — होम्योपैथी औषधालय	373318	336082	387009	369921	415119	298584
16	3613 — शासकीय यूनानी फार्मसी	24925	21344	19620	17491	30815	14850
17	4760 — यूनानी अस्पताल एवं औषधालय	96436	78861	112773	91688	104597	74190
18	8564 — शासकीय यूनानी महाविद्यालय एवं चिकित्सालय	106307	94314	107229	94096	115792	82069
19	0465 — आयुर्वेद औषधालयों की स्थापना	6632	6135	00	00	00	00
20	9361 — आयुर्वेद औषधालय की स्थापना	8000	7689	00	00	00	00
21	0469 — शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय	659372	629031	750092	641200	822527	536635
22	5674 — निर्धन वर्ग के लिए विक्रमादित्य निःशुल्क शिक्षा योजना	1455	1123	1800	947	00	00
23	6736 — आयुष महा. में स्नात्कोत्तर पाठ्यक्रम	8798	8199	00	00	00	00
24	6204 — अशासकीय होम्योपैथिक महाविद्यालयों को अनुदान	480	00	00	00	00	00
25	8068 — शासकीय होम्योपैथी महाविद्यालय	162795	158338	176989	157531	196020	136664
योग (राजस्व)		5298103	4916149	5435553	4154199	5136627	3557674

वर्ष 2018-19, 2019-20 एवं 2020-21 बजट प्रावधान एवं व्यय की जानकारी

पूँजीगत व्यय

क्र	योजना	बजट प्रावधान 2019-20	व्यय 31.03.2020	बजट प्रावधान 2020-21	व्यय दिनांक 31.03.2020	बजट प्रावधान 2021-22	व्यय दिनांक 31.12.2021 तक
1	461 आयुर्वेद प्रशासन का सुदृढीकरण	60000	59999	60000	60000	60000	47990
2	9361 आयुर्वेद औषधालयों की स्थापना	22800	21547	00	00	00	00
3	0469 आयुर्वेद महाविद्यालय	80000	74488	7500	71927	75000	40560
4	0465 आयुर्वेद औषधालयों की स्थापना	16000	15999	00	00	00	00
5	0460 आयुर्वेद चिकित्सालय एवं औषधालय	53200	32346	59501	54518	55000	17079
योग (पूँजीगत)		232000	204379	194501	186445	190000	105670
महा योग (राजस्व एवं पूँजीगत)		5530103	5120528	5630054	4340644	5326627	3663344









होम आइसोलेटेड मरीजों को करा रहे योग

■ विष्णुआजवतपुर एक्सप्रेस।

वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण से शहर वया ग्रामीण अंचल भी अछूते नहीं रहे हैं। तेजी के साथ बढ़े संक्रमण ने शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के जन जीवन भी बुरी तरह से प्रभावित किया है वहीं जिला प्रशासन की नवाचार पहल से कम लक्षण वाले कोरोना संक्रमित व्यक्तियों को होम आइसोलेटेड कर उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी हेल्पलाइन सेंटर के माध्यम से दूरभाष पर प्रतिदिन ली जा रही है।

साथ ही होम आइसोलेशन में रह रहे व्यक्तियों को प्रतिदिन योग के माध्यम से शीघ्र स्वास्थ्य लाभ दिलाया जा रहा है। मध्य प्रदेश शासन के आयुष विभाग, शिक्षा विभाग एवं पतंजलि योग संस्थान के द्वारा चलाए जा रहे योग से निरोध अभियान के तहत जिले के



पंजीकृत योग प्रशिक्षक वॉलंटियर्स के द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण जिले के आयुष विभाग से प्राप्त सूची के अनुरूप ऑनलाइन व्हाट्सएप के माध्यम से सुबह-शाम दोनों टाइम निःशुल्क प्रशिक्षण देकर योग, प्राणायाम कराए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में पतंजलि संस्थान परासिया की तहसील प्रभारी व अखिल भारतीय योग महामंडल छिंदवाड़ा जिला प्रभारी योग प्रशिक्षिका कुमारी रानू कश्यप भी प्रतिदिन जिले से प्राप्त सूची के रूप होम



क्वारेटाइन व्यक्तियों को निःशुल्क योग प्रशिक्षण देकर उन्हें शीघ्र स्वास्थ्य लाभ दिलाने के लिए सतत् लगी हुई। लाभार्थी उमेश साहू ने बताया की सुबह-शाम योग, प्राणायाम करने से वे शीघ्र स्वास्थ्य हुए हैं। साथ ही योग से सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ जिससे उनका मनोबल बढ़ा।

नोट :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....



SKOCH AWARD

HEALTH

SILVER

**DEPARTMENT OF AYUSH
GOVERNMENT OF MADHYA PRADESH**

FOR

VAIDHYA AAPKE DWAR (TELEMEDICINE APP AYUSHQURE)

CONFERRED THIS HONEST INDEPENDENT HONOUR IN INDIA ON 13TH NOVEMBER 2021 AT NEW DELHI



WWW.SKoch.IN

Sameer Kochhar
SAMEER KOCHHAR
CHAIRMAN, SKOCH GROUP